कालजयी व्यक्तित्व जो आगामी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा

डॉ. दीक्षा दवे, बांसवाड़ा (राज.)

सदा वंदनीय मेरे नानाजी श्री पन्नालालजी नागर की पावन स्मृतियों को नमन करते हुए मानस श्रद्धा से भर उठता है। अनेक विशेषताएं और सद्‌गुण उनके व्यक्तित्व में ऐसे थे कि वे सारे किसी व्यक्ति में एक साथ सुलभ हो सकें, यह दुर्लभ प्रतीत होता है। ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व की विराटता को शब्दों की परिधि में घेरना बहुत कठिन कार्य है। श्री नागर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उनका काम उनके लिए एक मिशन था, जिस लगन, निष्ठा और समर्पण की भावना के साथ वे काम को करते थे, उसकी मिसाल मैंने अन्यत्र नहीं देखी। उनके पास ज्ञानपूर्ण चर्चा के विषयों की कमी नहीं थी। अपने प्रत्येक उदयपुर-प्रवास में समय निकालकर वे घर अवश्य आते और ज्ञान की बातें व अनुभव सुनाकर हमारा मार्गदर्शन करते। अध्यात्मिक आस्था और धर्मशीलता उनके जीवन में प्रमुख रही। सन्त मूर्तियों के दर्शन, प्रवचन और मांगलिक श्रवण का कोई अवसर वे चूकते न थे। मानवीय भावनाएं उनमें कूट-कूट कर भरी थी। दूसरों की पीड़ाओं को वे स्वयं अनुभव करते थे। मुझे याद है उनके दुखद देहावसान के कुछ ही दिनों पूर्व जब वे उदयपुर आए थे और शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद भी अन्यजनों की समस्याओं का समाधान करने के लिए कैसे व्यथित और विचलित हो गए थे। नानाजी का स्नेह व वात्सल्य सदा ही हम पर बना रहा। उनके मांगलिक आशीर्वाद व प्रेरणा से ही मुझे डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई, जिसका वे अन्त समय तक अन्य लोगों से जिक्र करते रहे। स्मृतियों में बसे श्री पन्नालालजी नागर आज हमारे बीच नहीं हैं। वह वरदहस्त, जो हमारी छोटी-छोटी उपलब्धियों के लिए हमारी पीठ थपथपाता था, वह वाणी जो आशीष के साथ उत्साह बढ़ाती थी, आज नहीं है। लगता है जैसे सब कुछ चला गया पर यथार्थ यह है कि केवल यहीं कुछ शेष रह गया है, हमारे साथ हमारी स्मृतियों में।

अमर रहे ये यादगार यादें। अमर रहे इनमें उन दिवंगत का अस्तित्व।

बांसवाड़ा के साहित्यकार

छगनलाल नागर
शिक्षा- दसवीं तक
पिता का नाम - श्री जटाशंकर नागर
जन्म स्थान- बांसवाड़ा
जन्म दिनांक - 15 जून 1934
जिले में निवास का दिनांक - जन्म से
साहित्यिक उपलब्धियाँ
प्रकाशन - पत्र-पत्रिकाओं में कविताएं प्रकाशित।
प्रसारण - यदाकदा आकाशवाणी बांसवाड़ा से कविताएं प्रसारित
संपादन- आलोक (1974 परतापुर) हस्तालिखित हारमाला (नरसिंह मेहता)
व्यक्तित्व व कृतित्व - वृक्षों की जड़ो को आकृति देकर सजाना।
संप्रति - एस.बी. बी.जे. बांसवाड़ा से सेवानिवृत्त ।
वर्तमान पत्र व्यवहार का पता - नागरवाड़ा बांसवाड़ा
फोन नम्बर - 02962-244792, मोबाइल 9460022316

शरीर व आत्मा दोनों को सात्विक बनाना पड़ेगा

अनमोल वचन

1. संयुक्त परिवार घर के सभी सदस्यों को एक सूत्र में पिरोए रखता है। परिवार को एक दूसरे को त्याग करने एक दूसरे की पसंद ना पसंद जानने तथा साथ-साथ सुख-दुख भोगने की शिक्षा देता है।
2. इंसान तो प्रकृति का सबसे सुन्दर रुप है। वह अपने विवेक से दुर्गुणों को सद्‌गुणों में बदल सकता है।
3. इस शरीर व आत्मा को यदि सुखमय बनाना है तो शरीर व आत्मा दोनो को ही सात्विक बनाना होगा।
4. व्यक्ति को चाहिए कि वे चिन्ता छोड़े, चिंतन करे। जीवन का हर क्षण मूल्यवान है। इसको चिंता में व्यर्थ न करें। जो गया उसका शोक नहीं तथा जो शेष है उसकी चिंता नहीं।
5. जिस प्रकार हर बीज का अर्थ होता है वृक्ष की संभावना, ठीक उसी प्रकार हर नर का अर्थ होता है नारायण की संभावना, बनना हमारे हाथ है।
6. विचारों के अभाव में कर्म संभव नहीं। जैसे विचार या भाव वैसा मनुष्य। अतः विचारों पर नियंत्रण जरुरी है तथा विचारों पर नियंत्रण के लिये अनिवार्य है मन की निर्मलता।

संकलन- सुधीर पांडया-दिल्ली

नागर इन्टर प्राईजेस

दलहन एवं तिलहन (अनाज) के क्रेता एवं विक्रेता

प्रोपा.
एल.एन. नागर
राजेश नागर,
सुरेन्द्र नागर

शादी एवं पार्टी के लिये मारुती वेन एवं अन्य वाहन उपलब्ध है

रेल्वे स्टेशन चौराहा, ए.बी. रोड, शाजापुर, (म.प्र.) फोन 228711 मो. 9424000477, 9425034721, 9893800501

ठंडा मतलब मैक्सिकन जूं का शरबत

(गतांक से आगे)...कैफीन भी पायी गयी है कोला में। 93 से 111 पी पी एम तक, यानि स्वीकृत सीमा से कई गुना ज्यादा वह भी अप्राकृतिक रसायन युक्त जो डॉ. लुडविग के अनुसार पेट दर्द, अनिद्रा, जलन, अल्सर आदि होने की संभावना बढ़ा देता है। डॉ. जे.ई. गोयल तो साफ कहते हैं कि अजन्मे बच्चे की सुरक्षा के लिए माँ के भोजन में कैफीन बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। अमरीका में ठंडे पेयों में कैफीन पर सख्त रोक है। आखिर कैफीन उसी एल्कलाइड वर्ग का सदस्य है जिसमें मॉरफीन, निकोटिन, कोकीन, प्यूरीन हैं। ये सब 'लत' के पर्यायवाची है। क्या ''टेस्ट द थंडर'' के इस हॉरर पर विचार की जरुरत नहीं है? दो शब्द रंग और मिठास पर भी। रंगीन बनाये जाने के लिये मिलाये जाने वाले कैरेमल-रंग उत्पत्ति संबंधी विकार के लिये जिम्मेदार हो सकते है। एक बोतल ठंडे में 6 से 8 चम्मच चीनी होती है। अलग अलग ब्रान्डस् में सेकरीन और एस्परटेम जैसी कृत्रिम शर्करायें भी होती है। डॉ.ए.थ्रेश के अनुसार 24 चम्मच चीनी यानी 3 बोतल ठंडा शरीर की बेक्टीरिया से लड़ने की ताकत 92 प्रतिशत तक कम कर देती है। केलिफॉर्निया के डॉ.जॉर्ज एम हेल्पेन के अनुसार स्थायी या उग्र एलर्जी कृत्रिम शर्कराओं के कारण होती है। डॉ. फैन्सिसको कोन्ट्रारिक्स के अनुसार अधिक मात्रा में ठंडा शरीर में ऑक्सीजन की कमी करता है, जिससे कैंसर कोशिकाओँ को फलने-फूलने का वातावरण मिलता है। यूं भी हम सभी ने प्राइमरी स्कूल में ही पढ़ लिया था कि ऑक्सीजन अन्दर लेनी चाहिये और कार्बनडाई ऑक्साइड बाहर निकालनी चाहिये। पर भाई साहब जब नारा ''दिल की आजादी'' का हो तो भाषण एक कान से होता हुआ दूसरे से बाहर निकाल दिया जाता है। बीमारियों की वैरायटी के लिए ठंडे की वैरायटी का चयन करें। ब्लड प्रेशर बढ़ाना हो तो क्लासिक कोला या डाइट पेप्सी लेवें। क्रमशः 19 एवं 31 एमजी. सोडियम युक्त यह बोतलें आपके ब्लड प्रेशर को नयी उचाईयों पर पहुंचाने में सहायता करेगी।

तो जनाब कुल मिलाकर कह सकते है कि ठंडा मतलब ''सेहत का दुश्मन''। भोजन के साथ तो इसे कभी लेना ही नहीं चाहिये। क्योंकि भोजन पचाने के लिये शरीर का तापमान 37 डिग्री होना चाहिए। 0 डिग्री वाला ठंडा अमाशय के पाचक एन्जाइम्स तथा एचसीएल को निष्क्रिय कर देता है। परिणाम- गैस, बदहजमी, एसिडिटी। चाहें तो उदयपुर फॉर्मेसी कॉलेज के डॉ. बी.के. दुबे का पत्र देख सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार सादा पानी भी खाने के आधे से एक घंटे बाद पीना चाहिए।

वैसे आपने कभी सोचा है कि ठंडा 0 डिग्री पर भी जमता क्यों नहीं है। इसमें चर्बी से बनने वाला ग्लाइकॉल डाला जाता है। धीमा जहर है। फिर भी पीना ही हो तो व्रत के दिन तो...। एक अविश्वसनीय तथ्य और मैक्सिको तथा दक्षिण अमरीका में कैम्टस पर पायी जाने वाली कोचीनील मादा जूऐं इकट्ठी करके, मार कर उन्हें सुखाया जाता है। फिर पीस कर लाल क्रिस्टल किवलान प्राप्त कर मिलाया जाता है। मतलब ठंडा माने मैक्सिकन जूं का शरबत। इतना स्वादिष्ट कि सचिन भी सीटी बजाकर झपट लेते हैं।

(शेष अगले अंक में)

-प्रस्तुति संजीव झा
सी-50 तलवण्डी, कोटा (राज.)
मो. 09414966414

गुजराती (मातृभाषा) में ज्ञान की बाती
जिंदगी नी त्रण वात

त्रण वस्तु कोई नी राह जोती नथी,
समय, ग्राहक अने मौत
त्रण चीज जीवन में एक बार मळे छे,
मां, बाप, अने जुवानी।
त्रण चीज ने नमन करो,
मां, बाप अने गुरु
त्रण चीज थी बचवानी कोशिश करवी जाइजो,
बुरी संगत, स्वार्थ अने निंदा,
त्रण चीज परदा पाछड सारी लागे,
धन, स्त्री अने भोजन।
त्रण चीज कोई चोरी जई सकतो नथी,
अक्कल, शरीर अने सुन्दरता
त्रण चीज के हमेशा त्यागो
काम, लोभ अने मद,
त्रण चीज ने क्यारेय न भुलावी जाइजो,
कर्ज, फर्ज अने मर्ज
त्रण चीज मा मन लगाडवा थी उन्नति थाय छे,
ईश्वर, परिश्रम अने विद्या
त्रण चीज पर हमेशा दया भाव राखो,
बालक, भुख्या अने प्राणी

-प्रस्तुति गिरा आचार्य, जुनागढ़

नरेश यशोधर्मन ने नागरों को सौंप दिया था दशपुर का राज

मन्दसोर का वैभव- मालव प्रदेश की प्रसिद्ध राजधानी मन्दसोर किसी समय एक गौरवशाली नगर रहा था। छठवीं शताब्दी में यहां का प्रसिद्ध नरेश यशोधर्म्मन हुआ था जिसका कार्यकाल 532 ई. के आसपास माना जाता है। इसे विष्णु धर्म्मन एवं हर्ष विक्रमादित्य भी कहा जाता है। इसने शकों, रगों एवं अन्य आततायियों को पराजित कर मालवा की कीर्ति को विस्तारित किया था। मन्दसोर राज्य के अन्तर्गत दस उपनगर थे जिनको मिलाकर इसे 'दशपुर' कहा जाता था। यशोधर्म्मन के शासनकाल में यहाँ धन वैभव अत्युत्तम था। इसके काल में कला एवं संस्कृति का भी पूरा विकास हुआ जो यहाँ के शिलालेखों एवं मूर्तिकला से प्रमाणित होता है।

इन दस उपनगरों के कारण इसे 'दशार्ण देश' की संज्ञा दी जाने लगी तथा पास में बहती हुई शिवना नदी को भी 'दशार्ण नदी' कहा जाने लगा। यह नरेश यशोधर्म्मन शैव था तथा भगवान शंकर इनके इष्टदेव थे। इसी कारण इसने गुजरात की शिवपूजक जाति के ब्राह्मणों को दशपुर बुलाया तथा उनके ज्ञान से इस भूमि को पवित्र बनाने का प्रयत्न किया। **प्रश्नोरा नागरों का मन्दसोर आगमन-** एक बार दशपुर के महाराजा ने एक विराट यज्ञ करवाया। यज्ञ कार्य को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु इन्हें शिव भक्त विद्वान ब्राह्मणों की आवश्यकता अनुभव हुई। इनको इस कार्य के लिये गुजरात के प्रश्नोरा ब्राह्मणों का परिचय कराया गया जिसके फलस्वरुप महाराजा ने इन्हें सम्मान के साथ दशपुर बुलाया। जब ये ब्राह्मण जूनागढ़ से दशपुर जाने को तैयार हुए तो इस यात्रा का अन्य ब्राह्मणों ने कड़ा विरोध किया कि ये वहां जाकर राज्याश्रय पाकर तथा वहां दान-दक्षिणा लेकर भ्रष्ट न हो जाये। इनके लिये दान-दक्षिणा लेना सर्वथा वर्जित था क्योंकि इससे इनको भगवान शिव से मिलने वाला सोना बन्द हो जायेगा। किन्तु इन्होंने सबको विश्वास दिलाकर कि ये दान ग्रहण नहीं करेंगे, केवल यज्ञ का धार्मिक कृत्य पूर्ण करवाकर पुनः जूनागढ़ लौट आयेंगे, वहां से दशपुर के लिये प्रस्थान किया।

दशपुर पहुंचने पर इनका राज सम्मान किया गया तथा इनको यज्ञ कार्य एवं पौरोहित्य हेतु नियुक्त किया गया। इन्हीं पंडितों ने यह राजकीय महायज्ञ करवाया जो महीनों चलता रहा। महाराजा इनकी विद्वत्ता से अत्यधिक प्रभावित हुए। यज्ञ सफलतापूर्वक सम्पन्न होने से इनका यश और भी बढ़ गया। दान ग्रहण करना- यज्ञ की पूर्णाहूति के पश्चात जब ये ब्राह्मण पुनः जूनागढ़ के लिये प्रस्थान करने को तैयार हुए तो ये महाराजा से विदाई लेने हेतु उनके पास गये। महाराजा ने इन्हें स्वर्ण, मुद्रा, गोदान आदि देकर सम्मानित करना चाहा किन्तु इन ब्राह्मणों ने इस दान को ग्रहण करने से इन्कार कर दिया एवं कहा कि दान ग्रहण करने के लिए हमने पूर्व में ही मना कर दिया था कि हम किसी प्रकार का दान ग्रहण नहीं करेंगे।

इस प्रकार इनके इन्कार करने पर कतिपय विद्वानों ने महाराजा को समझाया कि जब तक इन पुरोहितों को यज्ञ की दक्षिणा नहीं दी जायेगी तो यह यज्ञ निष्फल ही रहेगा। इस पर महाराजा ने सब नागरों को बुलाकर निवेदन किया कि आपने दान ग्रहण करने से तो मना किया है किन्तु यज्ञ के प्रसाद को ग्रहण करने में तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

इस पर सबने विचार करके यज्ञ का प्रसाद लेना स्वीकार कर लिया। महाराजा ने प्रसन्न होकर उस प्रसाद का सबके लिए एक ही बड़ा मोदक बनवाकर सामूहिक रूप में उन्हें दे दिया। कहते हैं इस प्रसाद स्वरूप मोदक को ज्यों ही उन्होंने ग्रहण किया त्यों ही उधर जूनागढ़ में भगवान हाटकेश्वर से मिलने वाला वह सवाभार स्वर्ण मिलना बन्द हो गया। वहां के लोग समझ गये कि हमारे जो साथी दशपुर गये थे। उन्होंने संभवतः यज्ञ का दान स्वीकार कर लिया है, इसी से यह स्वर्ण प्राप्ति बन्द हो गई है। इधर जब इन ब्राह्मणों ने उस मोदक को तोड़ा तो उसमें एक पत्र मिला जिसमें लिखा था, 'यह दशपुर जनपद आपको दक्षिणा में दिया।' उक्त पत्र को पढ़कर इन लोगों को बहुत पश्चाताप और क्षोभ हुआ।

कई तो इतने कुपित हुए कि महाराज को शाप तक देने को उद्यत हो गये, पर अन्त में कुछ समझ बुझकर सबने दशपुर का शासन संभालना स्वीकार कर लिया। इन नागरों में से जिसने पुरोहित या आचार्य का पद ग्रहण किया था, उसी को यहाँ की शासन सत्ता संभालनी पड़ी।

अलगे अंक में जारी....

प्रस्तुति- श्रीमती शीला दशोरा

।। श्री गणेशाय नमः ।।

विजय स्टील डेकोर

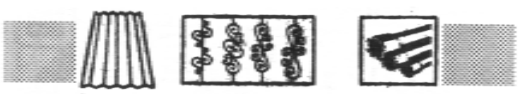

5, धनवन्तरी नगर, जी-1, राजसुधा अपार्टमेन्ट, दधिची चौराहा, इन्दौर फोन 2321578, मो. 98268-32786, 98936-24291

।। श्री सांई नमामि नमः ।।

फाइबर शीट मनभावन रंग एवं डिजाईन्स में रेडी स्टॉक में उपलब्ध
घर में बाल्कनी एवं सीढ़ीयों में उपयोग होने वाली
Railing Stair Case/Casting/Wrought Iron/Stainless Steel, Brass Exclusive G.P. Fitting "Spring", Sanitary Fitting
की सम्पूर्ण श्रृंखला व सभी कम्पनियों के.जी.आई.पाइप के विक्रेता
सभी प्रकार के हार्डवेयर का सामान इन्दौर शहर के मूल्य पर
आपकी कालोनी में उपलब्ध

R.K. Dave (Pappu)

मैं मेरी क्षमताओं के बारे में सचेत कैसे रह सकता हूँ?

प्रथम आपको समझना है कि आप अक्षम है और यही आपकी सीमा है। अगर किसी का एक ही पैर है, तो आप समझते हैं कि वह अपंग है और आपके दो पैर होने पर आप समझते हैं कि आप अपंग नहीं हैं। पर हर बार ऐसा मानना सच नहीं है। आपके दो पैर होते हुये भी, हो सकता है कि आपके पैर के स्नायु कडक हो गये हैं या आपके घुटनों में दर्द है या आप में दौड़ने की क्षमता नहीं है। तो इन सब कारणों से आप अपंग ही है। जिस क्षण आत्मा शरीर में प्रवेश करती है, उसी क्षण आपको कुछ अपंगत्व आ ही गया है। आपको ध्यान में रखना चाहिये कि इस दुनिया में आप क्षुद्र, सीमित और बहुत छोटे हैं। आप ऐसा नहीं कह सकते हैं कि मैं पूरी दुनिया का सम्राट हूं या पूरी दुनिया मेरी जेब में हैं।

पहले आपको ध्यान में लेना चाहिये कि आप एक छोटे से आदमी है। और यह देह धारण करने के कारण सीमित हो गये हैं। दिन-ब-दिन आप बूढ़े होते जा रहे हैं, यही आपकी मर्यादा है हो सकता है कि शायद आपके शरीर का कोई अवयव ठीक से कार्य नहीं कर रहा हो, जिसकी वजह से आप थोड़ा सा ही काम कर सकते हैं। मानवी शरीर से आप अधिक प्रमाण में भूमि से निगडित भी होते हैं। यदि आपका शरीर गरुड का होता तो आप आकाश में छलांग लगा सकते।

अतः आप को हमेशा इस वास्तव कल्पना से प्रारंभ करना है कि आपकी क्षमतायें सीमित है। अगर आप इस प्रकार की गलतफहमी में रहेंगे, कि आप महान हैं, तो कई कठिनाइयाँ महसूस हो सकती हैं। तो आपकी सीमाओं को समझ कर, आपकी क्षमताओं और शिक्षा के अनुसार आप को कार्यरत रहना चाहिये। अपनी क्षमताओं व अपनी सीमाओं के बारे में सचेत होकर अपनी आँखें बंद करके आप सोचें कि आप की क्षमता क्या हो सकती है? इस प्रकार आप की समीक्षा आपके लिये अधिकाधिक पूरक हो सकता है।

आपको एक बात ध्यान में रखनी जरुरी है। आपकी सीमायें और आपके सपनों में गफलत करना नहीं चाहिये। आपके सपने वास्तव में उतरने की आशा रखना ठीक है। आपके सपने खरे उतरने की आशायें रखने से आप कार्यरत रहते हैं। पर सपने परिपूर्ण करने के प्रयत्न करते हुये आपको आपकी क्षमताओं के बारे में सचेत रहना आवश्यक है। दृढ़ता से किसी मजबूत आधार पर खड़े रहकर ही आप को आकाश में छलांग मारनी चाहिये।

-पं. सन्तोष कुमार व्यास ''ज्योतिष भास्कर''
10, बीमा नगर, खजराना रोड़, इन्दौर

स्मृति शेषः अवसान दि. 16 सितम्बर 2008

कर्त्तव्यनिष्ठ माँ-श्रीमती पवित्राबाई मेहता

इन्दौर। महात्मा विदूरजी ने कहा है कि ''स्त्रियाँ पूजा करने योग्य, बड़े भाग्यवाली, पुन्यात्मा, गृह का प्रकाश तथा साक्षात लक्ष्मी होती है। इसलिए स्त्रियों की विशेष रक्षा करनी चाहिए।'' परमात्मा स्वयं प्रत्येक घर नहीं पहुंच सकते अतः अपने रुप में मां को भेजते हैं। कर्त्तव्य निष्ठ माँ श्रीमती पवित्राबाई मेहता (पति स्व. श्री रमाकांतजी मेहता) का जन्म जगोठी गांव में पं. बद्रीनारायणजी के घर हुआ था। उनका विवाह 12 वर्ष की अवस्था में रंथभंवर निवासी रमाकांतजी के साथ सम्पन्न हुआ था। भरे-पूरे परिवार की ज्येष्ठ बहू होने के कारण पवित्राबाई को अपने दादा श्वसूर व अन्य वड़ीलों का अतिस्नेह व आशीर्वाद प्राप्त हुआ। अनेक वर्षों तक सुखी गृहस्थ जीवन निर्वाह करने के पश्चात अचानक सन् 1961 में उनके पति श्री रमाकांतजी का स्वर्गवास हो गया। फिर भी उन्होंने साहस एवं धैर्य रखकर मेट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करके शिक्षिका के रुप में शेष जीवन निर्वाह किया। सेवानिवृत्ति के बाद वे अपने भतीजे श्री योगेश नागर के पास इन्दौर आकर रहने लगी तथा उनके बच्चों को सुंस्कारित किया। कुछ समय पूर्व लकवे से पीड़ित होने के पश्चात अपनी एकमात्र पुत्री श्रीमती शशिदेवी नागर धर्मपत्नी प्रोफेसर संतोष नागर के यहां रहने लगी थी, दिनांक 16 सितम्बर 2008 को उन्होंने 84 वर्ष की आयु में परमात्मा की गोद ग्रहण की पगड़ी रस्म एवं ब्रह्मभोज 28 सितम्बर 08 रविवार को उमरिया (महू) में सम्पन्न हुई। आपके देवर सर्वश्री कृष्णवल्लभ मेहता, डॉ. रामकृष्ण मेहता, रमाशंकर मेहता, आनन्दीलाल मेहता, राधारमण मेहता नटवरलाल मेहता सुंस्कारित एवं प्रतिष्ठित हैं।

प्रेषक- डॉ. रामकृष्ण मेहता

डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं में निवेश कर आकर्षक लाभ कमायें

किसान विकास पत्र ❐ छह वर्षीय बचत पत्र ❐ सावधी जमा ❐ ५ वर्षीय आर.डी. खाता ❐ मासिक आय योजना ❐ लोक भविष्यनिधि खाता ❐ वरिष्ठ नागरिक बचत योजना ९ प्रतिशत ब्याज

सम्पर्क सूत्र- डाकघर बचत अभिकर्ता, कृष्णकांत शुक्ल
सी-५९, अभिलाषा कालोनी, देवास रोड़, उज्जैन फोन २५११८८५, मो. ९४२५९-१५२९२

अम्बाजी की ओर चल पड़ी भक्तों की टोलियां

भाद्रपद की पुर्णिमा आई और लाखों भक्तों की टोलियां मां जगदम्बा, मोटा माताजी अम्बाजी के दर्शन के लिए बावली हो गई। देश भर से निकलने वाली बोलबम की कावड़ यात्राओं की तरह सारे गुजरात, राजस्थान से पदयात्राओं के रुप में निकली टोलियां जय श्री मां अम्बे का नाद करते हुए माहौल को असीम धार्मिकता प्रदान करती है। चैत्र और आश्वीन नवरात्रि पर भी यहां भव्य आयोजन होते रहते हैं। अम्बाजी मंदिर की प्रसिद्धि का अंदाज इसी बात से लगा सकते हैं कि यह मंदिर भी आतंकवादियों के निशाने पर है तथा विगत 22 अगस्त को यहां बम छुपाने की अफवाह फैलाकर सभी दर्शनार्थियों को परेशान किया गया। अम्बाजी टेम्पल टाऊन बनासकांठा जिले में स्थापित है तथा देशभर के 51 शक्तिपीठों में से एक है जो पालनपुर गुजरात से 65 कि.मी. माउंटआबू राजस्थान से 45 कि.मी. और आबू रोड से मात्र 20 कि.मी. है। बांसवाड़ा राजस्थान से यह दूरी 258 कि.मी. होने के बावजूद 14 सितम्बर 1991 से प्रारम्भ हुई यात्रा प्रतिवर्ष अनवरत जारी है। इसके संचालन का उत्तरदायित्व पूनम मंडल नामक संगठन ने ले रखा है। यह मंदिर नागर समाज की कुलदेवी का विख्यात मंदिर है। जिससे लगी हुई बड़नगरा, विशनगरा, और साठोदरा नागरों की धर्मशालाएँ है जिसमें से होकर नागरबंधु माताजी के निज मंदिर में पादुका पूजन के लिये गर्भगृह में प्रवेश कर सकते हैं। मंदिर से बड़ी रजत एवं स्वर्णथाल प्राप्त कर भोग रखवा सकते हैं। यह विशिष्ट सुविधा नागरों के सात्विक जीवन और धार्मिक आचरणों के कारण प्राप्त है। इसलिए पुरुषों को पिताम्बर, जनोई और महिलाओं को सिल्क साड़ी ब्लाऊज धारण करना अनिवार्य है। यही वेषभूषा हमारी पहचान को दर्शाती है तथा वहां लगने वाली लम्बी लाईन से अलग दर्शन, आराधना की सुविधा प्रदान करती है। हमारी धर्मशालाओं में रुकने के लिए हमारी पहचान बतानी पड़ती है। तथा दूस्टियों से अनुमति पत्र भी प्राप्त करना पड़ता है। साठोदरा धर्मशाला साठोदरा तक ही सीमित है। विशनगरा की सस्ती और अच्छी होने से भरी ही रहती है। बड़नगरा धर्मशाला में काफी सुधार की आवश्यकता है जिससे उसकी उपयोगिता बढ़ सके। धर्मशालौं में स्थान नहीं मिलने की दशा में सरकारी पथिक आश्रम में जाना होता है यह भी अच्छा और नया बना हुआ है। हॉलीडे होम भी बनाए गए हैं परन्तु अग्रिम बुकिंग की व्यवस्था अहमदाबाद में है। इतनी व्यवस्थाओं, सुविधाओं के बारे में पढ़-सुनकर प्रश्न उठना है कि आखिर यहाँ क्या खास है जो लाखों लोग यहाँ आते हैं तथा दर्शन लाभ लेते हैं। नागरों की ये कुलदेवी है तथा अपना नीजि मंदिर है तो उनका लगाव स्वाभाविक है। खेतीहर कृषक जहाँ अच्छी उपज के लिए यहाँ मानता लेता है और पूर्ण होने पर दर्शन हेतु आता है। इस मंदिर की अटूट आस्था और ख्याति से गुजरात सरकार ने इसका अधिगृहण कर लिया। आसपास के सभी निर्माणों को तोड़कर नए सिरे से धर्मशालाएं बनाने के लिए कम्पन्सेशन दिया। पुराने मंदिर को यथावत रखकर उसके ऊपर विस्तारित मंदिर का निर्माण करवाया, इसमें उच्चकोटि का मारबल प्रयोग में लाया गया है। यहां कोई मूर्ति नहीं हैं अपितु त्रिभुजाकार विश्वयंत्र है जिसमें 5 श्लोकों का समावेश किया गया है। जिसे अम्बाजी भवानी और आरादुरी आदि नामों से पुकारा जाता है। गरबा खेलने वाले चौक को चाचर चौक के नाम से जाना जाता है। यहाँ से

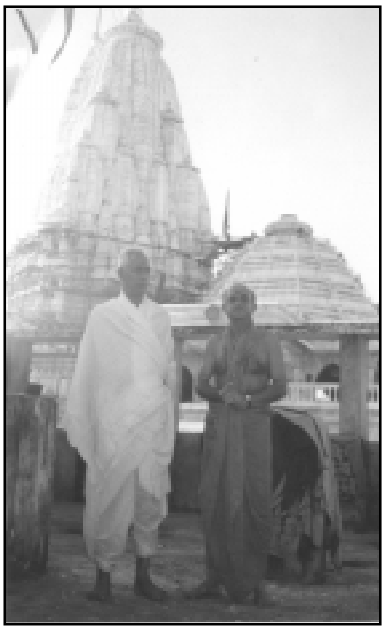

तीन कि.मी. दूर गब्बर पहाड़ी है। इस पहाड़ी पर चढ़ने में 45 से 55 मिनिट लगते हैं। परन्तु सितम्बर 1998 में माँ अम्बाजी उड़न खटोला का निर्माण किया गया इसमें पहले एवं अंतिम स्टेशन की दूरी 140 मीटर है जिसकी सहायता से मात्र 3 से 5 मिनिट में रास्तापार हो जाता है। इस पहाड़ी पर माताजी की चरण पादुका और श्रीयंत्र स्थापित है, इसे प्राचीनतम माना जाता है। इस उड़न खटोले में प्रतिव्यक्ति 75 रुपए आने जाने का निर्धारित है। सालाना 540 रुपए की टिकिट लेने पर वर्ष में 12 बार इसका उपयोग किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें- रेसीडेन्ट मैनेजर, माँ अम्बाजी, गब्बर हिल्स अम्बाजी (गुजरात) फोन 02749-264520 एवं फेक्स 02749-262726 (नवरात्रि के दिनों में होने वाली प्रार्थनाओं एवं गरबों से सभी दर्शनार्थी मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। वर्षों से भक्त जीतु चन्दु के गरबों से वातावरण गूंजता रहता है। गरबों की नवीनतम पुस्तकें लाकर अपने स्थानों पर उसका उपयोग कर नवरात्रि को यादगार बनाते आए हैं। सभी को नवरात्रि की शुभकामनाओं सहित।)

-मंजू प्रमोदराय झा
सी-20, सुविधि नगर एरोड्रम रोड, इन्दौर
ई-मेल-nagarsamaj@gmail.com

जिसने सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया
मध्यप्रदेश का प्रमुख समाचार पत्र
दैनिक अवन्तिका
इन्दौर-7, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड फोनः-0731-4085777 मो.-98277-71777
उज्जैन- 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग फोनः-0734-2554455 फेक्सः-2559777
इन्दौर- 20, जूनी कसेरा बाखल, फोनः-0731-2450018 फेक्सः-2459026

विलक्षण व्यक्तित्वः श्री द्वारकाप्रसादजी मिश्रा

उज्जैन। समय-समय पर अनेक दिव्य-विभूतियों ने इस धरा पर जन्म लिया। उन दिव्य-विभूतियों में सरल स्वभाव, मृदुभाषी, परमस्नेही व्यक्तित्व के धनी परमश्रद्धेय श्री द्वारकाप्रसाद जी मिश्रा का नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता हैं। इनका जन्म म.प्र. के मन्दसौर जिले के गरोठ तहसील के श्री गणेशलाल जी मिश्रा के यहाँ 19 अगस्त 1932 में साधारण परिवार में हुआ। इनकी शिक्षा मीडिल तक गरोठ में हुई। इंटरमीडियट की परीक्षा शासकीय विद्यालय रामपुरा छात्रावास में रहकर पास की जहाँ ये भण्डारक के पद पर रहे। इनके कठोर परिश्रम व अनुशासन ने सबका मन मोह लिया। प्रत्येक सदस्य के लिए पालन पोषण की व्यवस्था कर जन कल्याण कार्य की मजबूत नींव रखी। बढ़ती महंगाई में वेतन वृद्धि व कर्मचारियों की विभिन्न समस्या हेतु शासकीय सेवा में रहते हुए म.प्र. तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के हितार्थ म.प्र. तृतीय श्रेणी शासकीय कर्मचारी संघ की स्थापना की जिसका लक्ष्य शासन तथा कर्मचारियों के बीच समन्वय स्थापित करना था। कर्मचारियों के हितार्थ सन् 1968 में कलम बन्द हड़ताल के दौरान जेल गये। कर्मचारियों के हित में यूनियन शासकीय कर्मचारी संघ की स्थापना की जिसमें सचिव पद पर रहते हुए 1973 में जेल गये। सभी श्रेणी के कर्मचारियों की सिटी ट्रेड यूनियन के जनरल सेक्रेटरी रहे, सन् 1976 में जेल गये तथा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं की मांगे बिन शर्त मनवाई। जो मनुष्य किसी कार्य को असम्भव नहीं मानते उनके लिये कोई कार्य कष्ट साध्य नहीं है बल्कि कार्य की पूर्णता ही सफलता है। सन् 1980 में शासकीय सेवा के साथ-साथ वे महाकाल मंदिर में सहायक प्रशासक के पद पर नियुक्त किये गये। अनुशासन व दृढ़ निश्चय इतना कठोर कि ब्रह्ममुहुर्त के पूर्व भस्माआरती के लिये महाकाल पहुंच जाते थे। जिलाधीश के निर्देशन में प्रांगण में दान पेटियाँ रखवाना, महाकाल पुर्ननिर्माण आदि सेवा के लिये समिति गठित करना जैसे जन-कल्याण के कार्य किये। नागर समाज में उर्दूपुरा धर्मशाला जमीन को सुरक्षित करवाया। हरसिद्धी व बम्बाखाना धर्मशाला को किरायेदारों के आधिपत्य से मुक्त करवाया। नागर ब्राह्मण हाटकेश्वर न्यास, हरसिद्धी धर्मशाला निर्माण व्यवस्था में अपनी भागीदारी की हाटकेश्वर जयंती पर चल-समारोह, प्रीतिभोज आदि सम्पन्न किए। राजस्व विभाग की सेवा के क्षेत्र में अपनी अविस्मरणीय ध्वजा फहराने के बाद भी वानप्रस्थ की बेला में अपना धर्म नहीं त्यागा। कानून की शिक्षा प्राप्त की थी। सनद लेकर एक बार फिर चल पड़े न्यायालय की ओर... जहाँ प्रत्येक वादी को न्याय, गरीब को सहायता, दुखियों के दुःख दूर करना, जैसे कल्याणकारी कार्य करने का संकल्प लिया। शासकीय सेवकों के सेवाकालीन विवादों के निराकरण हेतु अहम् भूमिका अदा कर उन्हें न्याय दिलवाते थे। अपने जीवन की प्रत्येक श्वास न्यायालय में ही लेना चाहते थे और उस अन्तिम पडाव पर एक गिलास पानी भी स्वयं पान किया। संस्था स्वरुप श्री वकील साहब इन्दौर उच्च न्यायालय अपने कर्म क्षेत्र में अपनी धर्म ध्वजा फहराते हुए 5 सितम्बर 2008 शिक्षक दिवस के दिन जन-जन को अश्रुपूर्ण धारा से अभिभूत कर द्वारिकाधाम प्रस्थान कर गये। प्रत्येक समुदाय की ओर से श्रद्धेय वकील साहब श्री मिश्रा को शत् शत् नमन।

प्रस्तुति- सौ. आशा शर्मा
337, डी.के. 1, 74 नं. स्कीम विजय नगर, इन्दौर
मो. 9753125308

✦ स्वर्गीय श्रद्धेय ✦

द्वारकाप्रसादजी मिश्रा की स्मृति में श्रद्धांजली

तुम तो पहुंचे द्वारका, हम सरयू के तीर।
छोड़ बीच ही राह में, हमें सिखाते धीर।।
व्याकुल सब परिवार है, ईष्ट मित्र सब रोय।
व्यथित हृदय से हो रहे, मन का आपा खोय ।।
रहें सदा ही मौज से, सुख भोगें भरपूर।
गायत्री की कृपा से, दुःख हो जावे दूर।।
गीताजी का विकल मन, करें प्रभु अब शान्त।
मोह हमारा भी मिटै, शान्त होय मन भ्रान्त।।
श्रद्धांजली स्वीकारिये, करिये कृपा अनंत।
सब परिजन सुखमय रहें, शोक व्यथा हो अंत।।

-चतुर्भुज व्यास 'कमलेश'
ब्यावरा (राजगढ़)

❁ गम ❁

शराबी ने दरवाजा बजाया, पत्नी ने दरवाजा खोला,
शराबी- कौन हो तुम?
पत्नि- आप मुझे ही भुल गए।
शराबी- नशा हर गम को भुला देता है बहन

❁ लॉट्री ❁

एक सरदार रोज भगवान को प्रार्थना करता है,
हे वाहेगुरु मेरी लॉट्री लगा दे,
1 साल बाद वाहेगुरु ने परेशान होकर कहा
साले पहले टिकट तो खरीद।

❁ स्वाद ❁

पति- आज तुमने ये कैसा खाना बनाया है, गोबर जैसा
पत्नी- हे राम! इस आदमी ने क्या-क्या चख रखा है?

❁ लोन ❁

संता ने एक कार लोन पर ली।
लोन ना चुका पाने से बैंक वाले कार उठा ले गए
संता रोते हुए- पहले पता होता तो शादी भी लोन ले के करता।

❁ इंश्योरेंस ❁

काश! प्यार का इंश्योरेंस करवाया जाता
प्यार करने से पहले प्रीमियम भरवाया जाता
वफा मिली तो ठीक, वरना बेवफा पर खर्चे का हर्जाना दिलवाया जाता

❁ छाते की भूल ❁

पति- आज तो मैं छाता ले जाना ही भूल गया।
पत्नी- पर आपको ये बात पता कब चली।
पति- मुझे पता तब चला, जब बारिश खत्म हुई तो मैंने छाता बंद करने के लिए अपना हाथ ऊपर उठाया।

❁ जल्दी नींद ❁

जज- तुमने दिन दहाड़े चोरी क्यों की?
चोर- क्या करूं साहब, रात को नींद जल्दी आ जाती है।
एक साथ दो गर्लफ्रेंड्स रखने की दो वाजिब वजहें,
मोनॉपली हमेशा खतरनाक होती है
कॉम्पिटिशन से सर्विस सुधरती है।

❁ पीवीआर ❁

भिखारी- साहब, परिवार से दूर हो गया हूं।
मिलने के लिए 120 रुपए चाहिए।
आदमी- 120 रुपए? आखिर कहां है तुम्हारा परिवार
भिखारी- सामने के पीवीआर में पिक्चर देख रहा है।

❁ सपना ❁

आदमी- डॉक्टर साहब! मुझे रोज रात में फुटबॉल मैच के सपने आते हैं।
मनोचिकित्सक- ठीक है ये गोलियां लिख रहा हूं।
आज रात से ही लेना शुरु कर दीजिए।
आदमी- डॉक्टर साहब, कल से शुरु करूं तो चलेगा?
मनोचिकित्सक- क्यों? आज क्या प्रॉब्लम है?
आदमी- आज रात तो फाइनल मैच है।

❁ पांच रुपए ❁

एक बार संता नदी में गिर जाता है बंता उसे बचा लेता है
संता शुक्रियाना करते हुए कहता है।
संता- थैंक्यू यार तूने मुझे बचा लिया
बन्ता- बचाता क्यों नहीं तेरी जेब में मेरे पांच रु. जो थे।

-श्रद्धा शर्मा
मो. 9926285850

जय हाटकेश
सिर्फ नगर बंधुओं हेतु
जय श्री कृष्ण
व्यापारी बनें
मात्र 500/-रुपए से शुरू करें...
हमारे उत्पादन
❁ जालिम-एक्स मलम
❁ जालिम-एक्स लिक्विड
❁ जालिम-एक्स लोशन
❁ पंचसुधा
❁ वामा क्रीम
❁ मेकाडो बाम
❁ अंजू बाम
❁ पेन ऑफ ऑईल
❁ पेन क्योर आइंटमेंट
❁ हजम टेबलेट
❁ अंजू कफ सायरप
❁ अर्शोमृत टेबलेट
❁ सुगम चूर्ण
❁ पाचक चूर्ण
❁ नारी रसायन
आप हमारे उत्पादन MRP. से आधे दाम पर प्राप्त करें और MRP.पर बिक्री करें।
अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे-
नवीन झा
Anju अंजू फार्मास्यूटिकल्स
111/112 अलंकार चेम्बर्स, रतलाम कोठी, ए.बी. रोड, इंदौर- 452001- (म.प्र.)
मोबाइल नंबर- 09425062415

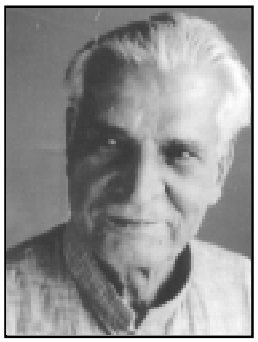

बयासी की आयु में भी न रुकने वाली कलम

श्री प्रेम नारायण नागर (82 वर्ष पूर्ण करने पर)

आयु के 75 वर्ष होने पर मित्रों, प्रशंसकों के 'अमृत महोत्सव' मनाने का आग्रह करने पर उन्होंने कहा था- क्यों, अभी से लेखनी पर ब्रेक लगाना चाहते हो? ये शब्द थे वरिष्ठ पत्रकार और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री प्रेम नारायण नागर के। 1 अक्टूबर 2008 को 82 वर्ष पूर्ण कर 83 वें वर्ष में प्रवेश करने पर वे अमृत महोत्सव की स्वीकृति चाहे न दें- परन्तु उनकी कलम आज भी अनवरत चल रही हैं। मप्र राज्य के गुना जिले के एक छोटे से गांव- चांचौड़ा में जन्मे श्री नागर खादी-ग्रामोद्योग की एक छोटी सी नौकरी से अपना जीवन प्रारंभ कर आज मप्र के अग्रणी पत्रकारों में शामिल हैं। स्वतंत्रता के पूर्व श्री नागर की लेखनी स्वतंत्रता आंदोलन को गति देने के लिए छोटे-छोटे एक पेजी बुलेटिन तक सीमित रही। अपने स्कूल की कक्षाओं में तिरंगा उठाकर साथी विद्यार्थियों के साथ बाहर आने वाले श्री नागर ने पुलिस की यातनाएं भी सहीं। भारत छोड़ो आंदोलन पर विराम लगने के पश्चात गांधीजी ने कहा- ''ग्रामों में जाओ- रचनात्मक कार्य हाथ में लो।'' अक्टूबर 1946 में देहली हरिजन बस्ती में गांधीजी से आशीर्वाद लेकर श्री नागर ने खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र में रचनात्मक कार्य प्रारंभ कर दिए। जयपुर के निकट गोविन्द गढ़ में खादी निर्माण से लेकर बिक्री का प्रशिक्षण लेकर जयपुर के जौहरी बाजार में खादी भंडार संचालन का कार्य किया। बाद में भाण्डेर (दतिया) के निकट उड़ीना में खादी के प्रचार के दौरान कृषकों, दलित अत्याचार और उत्पीड़न को देखर पत्रकारिता का अंकुर फूट निकला। इस क्षेत्र की एक हृदय विदारक घटना जिसमें एक महिला ने अपने वस्त्र मृत पति पर कफन बना कर डाले थे, इस घटना के समाचार भेजने से शुरु हुई, श्री नागर की कलम आज 82 बरस में भी चल रही है। नई दुनिया इन्दौर के प्रकाशन के आरंभ के साथ ही स्व. लाभचन्दजी छजलानी और स्व. बसंतीलालजी सेठियाजी से लेकर आज तक उनके पारिवारिक संबंध बरकरार हैं। इन 60 वर्षों में श्री नागर ने नई-दुनिया के माध्यम से सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक मानवीय व प्रशासनिक मुद्दों को पूरी ईमानदारी और प्रमाणिकता के साथ उठाया है। गौ-रक्षा और वृक्षारोपण जैसे आज के ज्वलंत मामलों पर भी श्री नागर हमेशा मुखर रहे हैं। श्री नागर ने पिछले 60 बरसों में इतना लिखा है कि भोपाल स्थित माधव राव सप्रे संग्रहालय में इनकी कतरने एक दस्तावेज बन चुकी हैं। सटीक, निष्पक्ष, सजग और अनवरत पत्रकारिता के लिए समर्पित श्री नागर को महामहिम तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. डॉ. शंकर दयाल शर्मा, महामहिम तत्कालीन राज्यपाल डॉ. भाई महावीर, मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह के अलावा पूर्व रेल मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया व पूर्व मुख्यमंत्री श्री कैलाश जोशी भी सम्मानित कर चुके हैं। माधव राव सप्रे संग्रहालय के न्यासी सदस्य श्री नागर को माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं प्रतिष्ठित गणेश शंकर विद्यार्थी अलंकरणों से भी पुरुस्कृत किया जा चुका है। स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में, गांधीजी के कट्टर अनुयायी श्री नागर ने 1945 में एक प्रण लिया और वो प्रण था, विदेशी वस्त्रों को त्यागकर जीवन पर्यन्त खादी पहनने का। जो आज तक कायम हैं। श्री नागर सकारात्मक पत्रकारिता के लिए ही समर्पित नहीं हैं। उनका सामाजिक संस्थाओं व उनमें दिया जाने वाला सहयोग व शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण अपने आप में एक सामाजिक धरोहर है, उनकी निष्पक्ष और बेबाक छवि के चलते ही सभी राजनैतिक दल, प्रशासनिक अधिकारी उन्हें समानभाव से आदर देते हैं। जीवन में कई बार ऐसे क्षण आए जब राजनीति की प्रथम पंक्ति के नेताओं से उनके घनिष्ठ संबंध रहे, पर इन संबंधों का कभी कोई अनुचित लाभ अपने जीवन में नहीं लिया। एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के नाते गांधी-दर्शन को अपने जीवन में उतारा। आज की राजनीति की दशा देखकर उन्हें बहुत पीड़ा होती है जिसका उल्लेख वो प्रायः किया करते हैं। पर वे निराशावादी नहीं हैं, देश के बेहतर भविष्य की आशा उन्होंने अभी भी नहीं छोड़ी है। स्व. माधव राव सिंधिया जब रेल मंत्री थे, उन्होंने श्री नागर को रेलवे सलाहकार समिति में लिया और उनके द्वारा दिए गए कई सुझावों को रेलवे विभाग में शामिल किया। अपने खाली समय में पुस्तकें ही उनका साथी हैं। उनकी अपनी निजी लायब्रेरी में गांधी साहित्य से लेकर आरोग्य चिकित्सा तक ढेरों पुस्तकों का संग्रह उनके पास है। आरोग्य में उनका अटूट विश्वास है। म.प्र. नागर समाज के लिए उन्होंने अपना अमूल्य योगदान दिया। अखिल भारतीय नागर परिषद के वो अध्यक्ष रहे। मप्र. नागर समाज की कई गतिविधियों को संचालित किया व आज भी समय समय पर वो समाज को अपना मार्गदर्शन देते रहते हैं। वे मेरे पिता ही नहीं, मेरे आदर्श व मार्गदर्शक हैं। जीवन के उनके कार्यकलापों को अपने जीवन में उतार सका तथा उनके द्वारा दिए गए संस्कारों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचा सका तो अपने आप को धन्य समझूंगा। वे शतायु हों, हम सभी को उनका मार्गदर्शन मिलता रहे, इसी कामना के साथ, कोटिशः नमन।

प्रस्तुति- सोहन नागर,
19/6, मनोरमागंज, इन्दौर मो. 9827007872

शिव जोशी
मो. 98265-74147

।। श्री गणेशाय नमः।।

शैलेष जोशी
94240-53997, 9977237237

विजयदशमी एवं दीपावली पर्व की असंख्य शुभकामनाएं, बधाइयां

लायन शिव जोशी
श्रीमती सुशीला जोशी

शैलेष जोशी (पूर्व पार्षद)
श्रीमती मोनिता जोशी

हर्षिता, आज्ञा, राज जोशी

प्रतिष्ठान- जोशी स्टेशनरी, रिचार्ज, स्टोर्स- 42/10 स्टेशन रोड़, राऊ फोन 2856515,

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

सफलता की पर्याय: श्रीमती मोना नागर

स्पर्धा के युग में सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ना कठिन कार्य है। सफलता के लिए फूलों से भरे रास्ते अर्थात आसान मार्ग उपलब्ध नहीं है। स्वयं में आत्मविश्वास, कार्य के प्रति निष्ठा व लगन, पूर्ण समर्पण, सकारात्मक सोच, विषय का ज्ञान, ईश्वर व बड़ों का आशीर्वाद तथा अपने स्नेहीजनों का सहयोग मानव के सफलता का मार्ग न केवल प्रशस्त करता है, वरन् सफलता की उन्नत ऊँचाइयों तक ले जाता है। जीवन में कुछ भी असंभव नहीं। अंग्रेजी शब्द Impossible का अर्थ असंभव होता है, परंतु इसी शब्द के अक्षरों में I M possible सफलता का राज छुपा है। मानव की सोच का बड़ा महत्व है। मानव अपने अंतरमन में जैसा सोचता है। उसके अनुसार ही उसे फल भी मिलता है।यदि मानव पूर्व से ही किसी कार्य के लिए अपने मन में असफलता के बीज बो लेता है, तो उसे असफलता ही हाथ लगती है, और यदि वह सफलता का बीज बोकर तदनुसार कार्य करता है, तो वह सफल होता है। इसका अर्थ यह हुआ कि सफलता या असफलता के लिए मानव स्वयं जिम्मेदार है। जीत मानव का जन्म सिद्ध अधिकार है- मेहनत से ही जीत हासिल होती है, और असफलता यह भी दर्शाती है कि जीत के लिए प्रयत्न नहीं किये गये। मनुष्य को जीवन में सदैव संघर्षों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। मेहनत व लगन से अर्जित की गई सफलता ही इंसान को नाम व प्रसिद्धि दिलाती है। किसी कवि ने उचित ही लिखा है- लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती, असफलता एक चुनौती है, उसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो, जब तक न सफल हो, नींद चैन की त्यागो, तुम। संघर्षों का मैदान छोड़ मत भागो तुम, कुछ किये बिना ही जय-जयकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

एक परिचय- श्रीमती मोना नागर

श्रीमती मोना नागर जन्म 1 अप्रेल 1971, उदयपुर में। अभिभावक- श्रीमती इन्द्रा भंडारी, जैसलमेर बापना परिवार से (सर सिरेमल बापना की भतीजी) श्री वीरेन्द्र कुमारजी भंडारी। मूल निवासी भानपुरा, जिला मंदसौर। जादवपुर वि.वि. कलकत्ता से इंजीनियरिंग में स्नातक। हिंदुस्तान मोटर्स कलकत्ता में इंजीनियर। 1986 में हिन्दुस्तान मोटर्स पीथमपुर प्लांट में महाप्रबंधक पद पर स्थानांतरित। 1998 में सेवामुक्त।परिवार- मयंक नागर (पति), एम. फार्मा, एम.बी.ए. एसोसिएट डायरेक्टर, रेनबेक्सी, देवास। श्री सुरेन्द्र कुमार नागर (ससुर) सेवानिवृत्त प्राध्यापक- विभागाध्यक्ष-वनस्पति शास्त्र, शासकीय महाविद्यालय, महू। श्रीमती कल्पना नागर (सास), गृहिणी। निशित नागर (पुत्र), ह्रिदिका नागर (पुत्री)। **अध्ययन-** दसवीं तक हार्टले स्कूल, कलकत्ता। हा. सेकेंडरी सेंट रेफियल स्कूल, इन्दौर। गोविंदराम सेक्सरिया इंस्टीट्यूट से 1993 में बी. फार्मा तथा 2003 में एम. फार्मा। 2008 में देवी अहिल्या वि.वि. से पी.एच.डी.। (विवाह- 1994 में।) **कार्य अनुभव-** पी.डी.पी.एल इन्दौर में 1993 से 2001 तक क्वालिटी कंट्रोल, प्रोडक्शन प्लानिंग एंड कंट्रोल व डाक्यूमेन्टेशन क्षेत्रों में कार्यरत रहीं। दवाइयों को सूक्ष्मजीवों से निरापद करने तथा दवाईयों में उपयोग आने वाले उत्कृष्टतम यन्त्रों पर कार्य करने में मप्र. फूड एंड ड्रग विभाग द्वारा योग्यता प्राप्त। 2003 से 2005 तक लेक्चरर व फार्मास्युटिकल डाक्यूमेन्टेशन व वेलिडेशन पर सलाहकार।

पी.एच.डी. कार्य-विशेष उपलब्धि- विषय- डेवलेपमेंट ऑफ माऊथ डिजाल्विंग डोसेज फार्म।

दवाईयां शरीर में अधिक प्रभावी हो, इसलिए टेबलेट स्वादपूर्ण तथा मुंह में ही घुल जाने योग्य, पी.एच.डी. शोध कार्य द्वारा तैयार की गई। शोध का विषय उत्कृष्टतम व जन-जन के लिए उपयोगी होने के कारण श्रीमती मोना नागर को विज्ञान व तकनीकी विभाग, विज्ञान भवन, भारत शासन, नई दिल्ली द्वारा प्रोजेक्ट अनुशंसित हुआ व शोध कार्य के लिए वित्तिय सहायता व छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। श्रीमती नागर ने अपना शोध-कार्य देवी अहिल्या वि.वि. इन्दौर तथा जायडस केडिला, अहमदाबाद में किया। 2 वर्ष की अवधि तक आपने अहमदाबाद में शोधकार्य किया। इस शोधकार्य द्वारा दो दवाइयां मानव कल्याण के लिए तैयार की गयी। पहली है- एरीपिपराजोल जिसकी मुख में घुल जाने वाली टेबलेट विकसित की गयी। यह दवाई तनावग्रस्त मानवों को तनावरहित बनाने में अमृततुल्य सिद्ध हुई। शोधकार्य से दूसरी दवाई तैयार की गई - 'मेमेन्टीन'। इसकी मुख में घुलने वाली टेबलेट समाज में 'अल्जीमर्स' बीमारी के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हुई। अल्जीमर्स बीमारी में मानव के खास हिस्सों के सेल्स क्षतिग्रस्त हो जाते है इससे शारीरीक व बौद्धिक काम वाला हिस्सा नष्ट होने लगता है तथा मानव की याद्दाश्त खत्म हो जाती है। यहाँ तक कि मनुष्य अपने परिवार के लोगों को पहचानना तक भूल जाता है। मानव किचन में जाता है, और भूल जाता है कि वह पानी पीने आया है। इस बीमारी में न्यूरोट्रांसमिशन में गड़बड़ी हो जाती है। इस बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को टेबलेट निगलने में बड़ी दिक्कत व परेशानी होती हैं। इस घातक बीमारी के लिए श्रीमती मोना द्वारा विकसित मेमेन्टीन की मुख में घुल जाने वाली टेबलेट बहुत असरकारक सिद्ध हुई है। यह टेबलेट भारत में पेटेन्ट के लिए भेजी गयी है। दोनों, वर्णित ड्रग्स के शोध पत्र यूरोपियन जर्नल में प्रकाशित होने के लिए भी भेजे गये हैं। उक्त दोनों ड्रग्स की टेबलेट (मुख में घुल जाने वाली) की मार्केटिंग केडिला कम्पनी करेगी।

श्रीमती नागर को उक्त उत्कृष्ट व जनोपयोगी शोधकार्य के लिए देवी अहिल्या वि.वि. ने 2008 में पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की। यह भी उल्लेखनीय है कि श्रीमती मोना नागर ने सन् 2007 में वाराणसी में आयोजित इंडियन फार्मास्यूटिकल कांग्रेस में शोधपत्र प्रस्तुत किया है। आप इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन की आजीवन सदस्य है एवं फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की गतिविधियों में अनवरत रूप से सक्रिय हैं।

वर्तमान में आप एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्ट्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च की प्रोफेसर एवं संस्थान प्रमुख हैं। आप चित्रकला व भारतीय शास्त्रीय नृत्यकला में भी पारंगत हैं।

दो दिवसीय राज्यस्तरीय समारोह दिसम्बर में

अंक सूची भेजें, अंतिम दिनांक १५ नवम्बर २००८

उज्जैन। म.प्र. नागर ब्राह्मण प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन समिति का 31 वां राज्य स्तरीय समारोह दिनांक 24 एवं 25 दिसम्बर 08 को उज्जैन में आयोजित किया जावेगा। समिति के सचिव श्री अशोक व्यास ने बताया कि 24 दिसम्बर को समिति के संस्थापक श्री विष्णुप्रसादजी नागर की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जावेगा जिसके प्रायोजक रहेंगे, श्री सुभाष भट्ट (गांधीनगर) एवं उनके मित्रगण। दिनांक 25 दिसम्बर को पुरस्कार वितरण समारोह होगा। पुरस्कार हेतु उज्जैन नगर के नर्सरी से कक्षा 8 तक एवं सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के कक्षा 9 से स्नातकोत्तर कक्षाओं तक के प्रथम श्रेणी के उत्तीर्ण एवं चिकित्सा, तकनीकी, कृषि आदि की प्रवेश परीक्षा में सफल छात्र अपनी अंक सूची की फोटोकॉपी भेजें। समिति द्वारा वर्ष 2007 तक पांच बार पुरस्कृत छात्र 'आशा-विष्णु' स्वर्ण पदक हेतु वर्षवार पुरस्कार की जानकारी सहित आवेदन प्रस्तुत करें। क्रीड़ा, विज्ञान, कला इत्यादि क्षेत्रों में राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्र भी अपने प्रमाण-पत्र भेजें।

अंकसूची/प्रमाण-पत्र भेजने की अंतिम दिनांक 15 नवम्बर 2008 है। पुरस्कार हेतु चयनित छात्रों की मूल अंकसूची/प्रमाणपत्रों से सत्यापन पुरस्कार के पूर्व किया जावेगा।

अंकसूची/प्रमाण-पत्र भेजने का पता-

रमेश मेहता 'प्रतीक' अध्यक्ष, नागर ब्राह्मण प्र. छात्र प्रो. समिति, 530, सेठीनगर, उज्जैन

दिलीप त्रिवेदी (कोषाध्यक्ष) पर विवेकानन्द कालोनी, इन्दौर

पं. कैलाश नागर, 43, भाटगली, उज्जैन

श्री देवेन्द्र व्यास, सी-37/11, ऋषि नगर, उज्जैन

निम्नांकित पतों पर भी अंकसूची दिनांक 10-11-08 तक भेज सकते हैं-

श्री अशोक व्यास, (सचिव) एम-4/2, अर्चना कॉम्पलेक्स, साउथ टी.टी. नगर, भोपाल

श्री लक्ष्मीकांत नागर, नागनागनी मार्ग, शाजापुर

श्री विष्णुदत्त नागर, एल-55, जवाहर नगर, रतलाम

श्री जय व्यास, जी.एच-157, विजय नगर, (सिक्का स्कूल के पीछे), इन्दौर

हमारे प्रेरणास्त्रोत एवं मार्गदर्शक
जिनके आदर्श ही हमारा संबल है

स्व. श्री रामचंद्रजी रावल
प्रथम पुण्यतिथि
26 अक्टूबर 2008

स्व. श्री रामचंद्रजी रावल (डेलची)
एवं
स्व. श्री नारायणजी रावल (नेवरी)

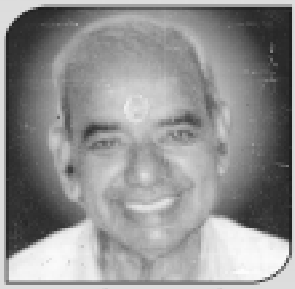

स्व. श्री नारायणजी रावल
चतुर्थ पुण्यतिथि
23 अक्टूबर 2008

की पुण्यतिथि पर हम उनके श्रीचरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं
समस्त रावल परिवार एवं स्नेहीजन डेलची, नेवरी एवं उज्जैन

प्रतिष्ठान
श्रीराम मेडिकल स्टोर्स माकड़ोन (07369-261165)
मेसर्स - रावल फिलिंग पाइंट एवं किसान सेवा केन्द्र नेवरी (07271-271406-271306)
रावल कृषि फार्म डेलची (07369-261185)

कु. नेहा का राज्य पुरस्कार हेतु चयन

कु. नेहा (सुपुत्री- सुनीता-शैलेन्द्र पंड्या) का चयन केन्द्रीय विद्यालय उज्जैन एवं इन्दौर से स्काउट्स एवं गाईड्स के राज्य पुरस्कार के लिए किया गया। पुरस्कार हेतु राज्यस्तर के केवल तीस बच्चों का चयन किया गया था। कु. नेहा का नाम राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए भी अनुशंसित किया गया है। उनका नाम चयन होने पर उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान किया जावेगा। नागर समाज इनकी उपलब्धि से गौरवान्वित हुआ है।

-विनोद नागर, शांति नगर, इन्दौर

श्रीमती संगीता नागर को 'ज्ञान गंगा' सम्मान

इन्दौर। शिक्षक दिवस पर इटारसी में विपिन जोशी स्मारक समिति द्वारा आयोजित 24 वें शिक्षक सम्मान समारोह में इन्दौर के बिचौली

हप्सी शासकीय माध्यमिक विद्यालय की प्रधान अध्यापिका श्रीमती संगीता नागर को ज्ञान गंगा सम्मान प्रदान किया गया। राज्य के पूर्व जनसंपर्क मंत्री श्री विजय दुबे काकू भाई ने उन्हें शॉल, श्रीफल, प्रशस्तिपत्र, रजत पदक, सम्मान निधि और चलित मंजूषा भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इटारसी विकास परिषद के अध्यक्ष श्री रमेश साहू ने की। ये सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य के विभिन्न जिलों से चुने गए शिक्षकों को प्रदान किया जाता है।

-श्रीमती संगीता नागर
प्रधान अध्यापिका शासकीय माध्यमिक विद्यालय
बिचौली हप्सी, इन्दौर

कु. प्राची मेहता सम्मानित

देवास। श्री परशुराम युवा संगठन देवास द्वारा समस्त ब्राह्मण प्रतिभा सम्मान का आयोजन 24.8.08 को किया गया, जिसमें कु. प्राची सुपुत्री

श्रीमती मेघा अनिल मेहता, सुपौत्री श्री त्रिभुवनलाल मेहता पीपलरावां को 10 वीं बोर्ड (इंगलिश मीडियम) परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक अर्जित करने पर सम्मानित किया गया। सम्मान में भगवान परशुराम को चित्र एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री पंकज शर्मा वरिष्ठ पत्रकार नई दिल्ली थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री दीपक जोशी ने की विशेष अतिथि सुभाष शर्मा अध्यक्ष नगर निगम देवास थे। सभी वक्ताओं ने समस्त ब्राह्मणों को एक होकर समाज को आगे बढ़ाने की बात कही तथा प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके निरन्तर आगे भी सफलताओं की कामना भगवान परशुराम से की।

कु. प्राची को सम्मानित होने पर सभी नागर बंधुओं ने बधाई दी।

प्रस्तुति- दिनेश नागर,
चामुण्डा नगर

कु. वंदना नागर की नियुक्ति रिलायंस सूरत में

उज्जैन। **कु. वंदना** (पौत्री-श्री रामनारायणजी नागर, सुपुत्री-सुधीर नागर) केमिकल इंजीनियर (बी.ई.) की नियुक्ति रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर सूरत में हुई है। बधाई

प्रस्तुति- श्री कृष्णकांत शुक्ल,
उज्जैन

पं. सतीश नागर

महर्षि सांदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान से कर्मकाण्ड एवं वेद अध्ययन की डिग्री प्राप्त

गृह शांति, कालसर्प शांति, गृह शान्ति (वास्तु पूजन) विवाह कार्य, जप, यज्ञोपवित संस्कार, दुर्गा पाठ, पितृ शांति, सर्वदेव यज्ञ, प्राण प्रतिष्ठा एवं समस्त धार्मिक अनुष्ठान शास्त्रोक्त, वैदिक पद्धति से सम्पन्न कराये जाते है।

74, बोहरा बाखल, खाराकुआ, उज्जैन (म.प्र.) फोन 0734-2552627, मो. 9827291390, 9826988983

तीन विभूतियां- माता पिता और पुत्र

धार्मिकता, सामाजिकता एवं कर्त्तव्य परायणता

श्रीमती वसुन्धरा व्यास-

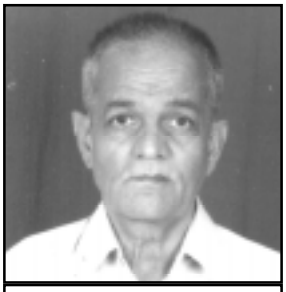

श्री कृष्ण गोपालजी व्यास-

डॉ. आशीष व्यास-

1.) श्रीमती वसुन्धरा व्यास- गत बीस वर्षो से हाटकेश्वर देवालय बम्बाखाना उज्जैन में प्रत्येक एकादशी को अपनी मण्डली के साथ भजन सुन्दर काण्ड कर रही है। 108 दीपक एकादशी को व 108 दीपक प्रदोष को शिवालय में नियमित रुप से लगाना इनका लक्ष्य है, अब तक दीपक संख्या लाखों पार कर चुकी है। मण्डली द्वारा एकत्रित राशि से नन्दीगण की प्रतिमा पर पीतल चढ़ाया गया। समाज के सुख-दुख में पहुंच कर यथा संभव सहयोग करना इनकी विशेषता है।

2) श्री कृष्ण गोपालजी व्यास- एक भजन है ''सुख में कम दुख में अधिक प्रभु याद आते आप है।'' यह भजन पूर्ण रुप से व्यासजी पर लागू होता है। नागर समाज के किसी भी परिवार में दुख की घड़ी आने पर इन्हें स्मरण किया जाता है। और ये प्रभु के समान ही सहायतार्थ दौड़ पड़ते हैं। यह निस्वार्थ सेवा विगत 35-40 साल से निरन्तर चल रही है। समाज में चल रही या होने वाली प्रत्येक जानकारी इनसे प्राप्त भी जा सकती है। किसी के बीमार होने, दुर्घटना होने पर जहां भी वह हो अस्पताल या घर पहुंच जाते है। सांत्वना देना, मदद करना और उसके स्वस्थ होने की प्रभु से प्रार्थना करना इनका परम कर्त्तव्य है। इनकी प्रेरणा से भूतेश्वर (जिला देवास) में वहां के नागरिकों का सहभोज सम्पन्न हुआ। हाटकेश्वर जयन्ती पर समाज के सहभोज में 25000 की राशि माननीय मूलशंकरजी नागर से प्रदान करवाना इनकी ही प्रेरणा एवं प्रयास का फल था। ये भूतेश्वर जागीदार परिवार के दामाद है।

3) डॉ. आशीष व्यास- इन्हें अन्य साथियों के साथ विशेष चेकिंग अभियान के तहत सीहोर भेजा गया। एक दिन में ही 86 यात्रियों को वे टिकिट व 14 को लगेज की बुकिंग न कराने पर पकड़ा गया व 24 हजार रुपये तथा 30 हजार जुर्माना वसूला गया। जो एक कीर्तिमान है। इसके पूर्व भी नकली टी.टी. को पकड़ने पर जनरल मैनेजर वेस्टर्न रेलवे मुम्बई द्वारा इन्हें पुरस्कृत किया जा चुका है।

प्रेषक- रामचन्द्र जोशी
122-बी, संतराम सिन्धी कालोनी, उज्जैन

नवरात्रि पर विशेष

''तुझे सब है पता, है ना माँ''

मैं कभी बतलाता नहीं
पर अंधेरे से डरता हूं मैं माँ
यूं तो मैं, दिखलाता नहीं
तेरी परवाह करता हूँ मै मां
तुझे सब है पता, है ना मां
तुझे सब है पता है ना मां
भीड़ में यूँ ना छोड़ मुझे
घर लौट के भी आ ना पाऊँ मां
भेज ना इतना दूर मुझको तू
याद भी तुझको आ ना पाऊं मां
क्या इतना बुरा हूं मैं मां
क्या इतना बुरा हूं मैं मां
जब कभी पापा मुझे
जोर-जोर से झूला झुलाते हैं मां
मेरी नजर ढूंढे तुझे
सोचूं यही तू आके थामेगी मां
उनसे मैं ये कहता नहीं
पर मैं सहम जाता हूं, मां
चेहरे पे आने देता नहीं
दिल ही दिल में घबराता हूं मैं मां
तुझे सब है पता मेरी मां
तुझे सब है पता मेरी मां

श्रीमती मीनाक्षी (मीनू) दवे
91-ए, ग्रेटर ब्रजेश्वरी, इन्दौर
फोन 2591878,
मो. 9300791655

शाजापुर जीवन साथी परिचय सम्मेलन में शामिल प्रतिभागी

क्र. (101) हितेश कुमार ओमप्रकाश शुक्ला
जन्म दि. 5-3-1985, समय-1.55, अरन्याकलां
शिक्षा- एम.ए. आचार्य संस्कृत
कार्यरत-कर्म कांण्डयज्ञाचार्य ज्योतिष
सम्पर्क-मुरली मनोहर मंदिर दिलोद्री पो. कनासिया जि. उज्जैन मो. 9229993726

क्र. (102) योगेश स्व. श्री विमलकुमार पोद्धार
जन्म दि. 20-12-1974, समय-रात्रि 1.50, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता- बी.ए. द्वितीय वर्ष
कार्यरत-स्वयं का पार्थ यातायात एलआयसी अभिकर्ता
सम्पर्क- 5, श्री बिहार कालोनी, हेप्पी विला खण्डवा
मो. 9827295788, फोन 0731-4088267

क्र. (103) धर्मेन्द्र ईश्वरीलाल मेहता
जन्म दि.1-11-1984,समय-शाम 5, पीपलरावां (बागली)
शैक्षणिक योग्यता- हाई स्कूल
कार्यरत- व्यापार
पता- ग्राम पो. पीपलरांवा तह. सोनकच्छ,
जिला देवास (वर्तमान शाजापुर),
मो. 9329879078, 9424516087

क्र. (104) आनन्द विजय नागर
जन्म दि. 8-12-1989, समय-रात्रि 7.30, अरन्याकला
कार्यरत- फोटो ग्राफी
सम्पर्क- 24 खम्बा 5 महाकाल रोड, महाकाल स्टूडियो उज्जैन मो. 9827728458

क्र. (105) मिथीलेष भगवतीलाल भट्ट
जन्म दि. 2-11-1980, समय-प्रातः 11.45, रतलाम
शैक्षणिक योग्यता- एम. काम.
कार्यरत- रेल्वे सुरक्षा बल में
सम्पर्क- 1321-बी, आर.पी.एफ. रेल्वे कालोनी, रतलाम फोन 07412-260115

क्र. (106) विवेक स्व. श्री मधुसुदन जोशी
जन्म दि. 28-3-1973, समय- रात्रि 2.10, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम (डी.सी.पू.)
कार्यरत- टाटा स्टील कम्पनी इन्दौर
सम्पर्क- दुर्गामेश्वरी धाम शास्त्री नगर, खण्डवा (म.प्र.) मो. 9826028822

क्र. (107) दीपककुमार गोवर्धनलाल नागर
जन्म दि. 14-5-1987,समय-रात्रि 10, बरखेड़ा अमरदास
शैक्षणिक योग्यता- 12 वीं उत्तीर्ण संस्कृत प्रथम
कार्यरत- स्वयं के निजी वाहन एवं खेती
सम्पर्क- ग्राम व पोस्ट- मवासा बरखेड़ा अमरदास तह. नरसिंहगढ़, जिला राजगढ़,
मो. 9300373823, 07375-322124

क्र. (108) दुर्गाशंकर मांगीलाल नागर
जन्म दि. 9-3-1970, समय- शाम 7.00, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- 12 वीं
कार्यरत- एस.बी.आई में नौकरी
सम्पर्क- आदर्श कालोनी मकान नं. 7 शाजापुर
मो. 9329004133

क्र. (109) दीपक स्व. श्री रामचन्द्र मेहता
जन्म दि. 9-11-1980, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता - 9 वीं उत्तीर्ण
कार्यरत- (कन्डक्टर) परिचालक
सम्पर्क- काशी नगर शाजापुर मो. 99260-53986

क्र. (110) महेन्द्र रामचन्द्र मेहता
शैक्षणिक योग्यता - 8 वीं
कार्यरत- ड्रायवर
सम्पर्क- काशी नगर शाजापुर, मो. 99260-53986

क्र. (111) अम्बर कामेश्वर व्यास
जन्म दि. 8-5-1982, समय- रात्रि 5.20, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- मल्टी मिडिया, एनीमेशन में डिग्री कोर्स
कार्यरत- नौकरी
सम्पर्क- 108, शंकराचार्य मार्ग बलबट भेरु के पास, उज्जैन मो. 9300360011, फोन 2556499

क्र. (112) सौरभ दिनेशचन्द्र मेहता
जन्म दि. 15-9-1980, समय- प्रातः 3.40, नीमच
शैक्षणिक योग्यता- एम.बी.ए.
कार्यरत- नौकरी क्रेडिट आफिसर
सम्पर्क- 112, रॉयल बैंग्लो सिटी सुखलिया इन्दौर
मो. 945333454, 4060812

क्र. (113) विष्णुप्रसाद बद्रीप्रसाद नागर
जन्म दि. 5-5-1986, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता 10 वीं. अध्ययनरत
कार्यरत- कृषि
सम्पर्क- लडावद जिला शाजापुर

क्र. (114) आशीष दिलीप त्रिवेदी
जन्म दि. 21-9-1982, समय- प्रातः 9.25, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- स्नातक
कार्यरत- व्यवसाय
सम्पर्क- गीता ऑटो मोबाईल्स ए.बी. रोड, शाजापुर, मो. 9425083090, 229746

क्र. (115) रंजन नवीन पोद्दार
जन्म दि. 14-5-1981, समय- दोप. 12.14, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता- बी.ए. पो. ग्रेज्युट डिप्लोमा इन मल्टी मिडिया (कम्प्युटर)
कार्यरत- नौकरी नेरबो न्यूज पेपर में मैनेजर
सम्पर्क- 'शीतल छाया' वाणिज्यकर उपायुक्त के पास अवस्थी चौक खण्डवा मो. 9827296454

क्र. (116) जयेश गणेश नागर
जन्म दि. 16-4-1977, समय- शाम 5.33, इन्दौर
शैक्षणिक योग्यता- एम एससी (सीएचई) बीईडी.
कार्यरत- केचिंग स्कूल
सम्पर्क- 16, विवेकानन्द कालोनी सनावद रोड, खरगोन मो. 9993134229, 250241

क्र. (117) अक्षय रमेशचन्द्र नागर
जन्म दि. 28-8-1986, समय- 4.15, देवास
शैक्षणिक योग्यता- बी.ई. तृतीय वर्ष में अध्ययनरत
सम्पर्क-23 गोकुल विला एम.पी.ई.बी. के सामने बेरछा रोड, शाजापुर मो. 9977552510

क्र. (118) संजय स्व. श्री गिरधारीलाल नागर
जन्म दि. 24-5-1983, श्यामगढ़ (म.प्र.)
शैक्षणिक योग्यता- बी.कॉम.
कार्यरत- व्यापार
सम्पर्क-मु.पो. शामगढ़ मंडी जि. मन्दसौर
मो. 9926057652

क्र. (119) नन्दकिशोर हरिनारायण नागर
जन्म दि. 25-2-1978,समय-रात्रि 5.15, अन्तरालिया
शैक्षणिक योग्यता-12वीं
कार्यरत- कृषि
सम्पर्क- ग्राम अन्तरालिया पोस्ट लटूरी (गेहलोत) जिला शाजापुर मो. 9981450482

।। श्री गणेशाय नमः ।।

विजय स्टील डेकोर

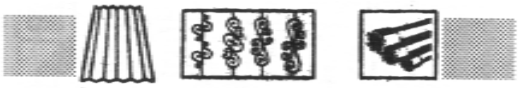

5, धनवन्तरी नगर, जी-1, राजसुधा अपार्टमेन्ट,
दधिची चौराहा, इन्दौर फोन 2321578,
मो. 98268-32786, 98936-24291

।। श्री सांई नमामि नमः ।।

फाइबर शीट मनभावन रंग एवं डिजाईन्स में रेडी स्टॉक में उपलब्ध
घर में बाल्कनी एवं सीढ़ीयों में उपयोग होने वाली
Railing Stair Case/Casting/Wrought Iron/Stainless Steel, Brass
Exclusive G.P. Fitting "Spring", Sanitary Fitting
की सम्पूर्ण श्रृंखला व सभी कम्पनियों के.जी.आई.पाइप के विक्रेता
सभी प्रकार के हार्डवेयर का सामान इन्दौर शहर के मूल्य पर
आपकी कालोनी में उपलब्ध
R.K. Dave (Pappu)

क्र. (120) अनुराग श्याम सुन्दर नागर
जन्म दि. 4-12-1983, समय- रात्रि 1.5, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- मेकेनिकल इंजिनीयर डिप्लोमा
कार्यरत- नौकरी इंडियन आर्मी मेकेनिक इंजिनीयर
सेक्टर- बी.एम/19 पं. दीन दयाल नगर ग्वालियर
मो. 0751-2471239

क्र. (121) रवि जगदीश नागर
जन्म दि. 24-7-1977, समय- सायं 5.45, इन्दौर
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम. प्रथम वर्ष
सम्पर्क- 257, मयुर नगर, सावरिया धाम मंदिर के पास, इन्दौर मो. 992614790, 2401752

क्र. (122) प्रवीण जगदीश नागर
जन्म दि. 24-12-1975, समय- दोप. 14.17, जबलपुर
शैक्षणिक योग्यता- मेट्रीक
कार्यरत- नौकरी प्रायवेट कम्पनी
सम्पर्क- 257, मयुर नगर, सावरिया धाम मंदिर के पास, इन्दौर मो. 992614790, 2401752

क्र. (123) दीपक स्व. श्री प्रेमशंकर झा
जन्म दि. 27-7-1967, बुन्दी (राज.)
शैक्षणिक योग्यता- स्नातक कला संकाय
कार्यरत- नौकरी (बी.एड कालेज उदयपुर)
सम्पर्क- मं. नं. 58 डी ब्लाक सेक्टर 9 सविना उदयपुर (राज.) मो. 09251524895

क्र. (124) शैलेन्द्र स्व. श्री प्रेमशंकर झा
जन्म दि. 29-1-1974 बुन्दी (राज.)
शैक्षणिक योग्यता - 12 वीं पास
कार्यरत- दुकान संचालन
सम्पर्क- मं. नं. 58 डी ब्लाक सेक्टर 9 सविना, उदयपुर (राज.) मो. 09251524895

क्र. (125) भूपेश के.के. स्वादिया
जन्म दि. 18-4-1968, जोधपुर (राजस्थान)
शैक्षणिक योग्यता- स्नातक कला संकाय जोधपुर
कार्यरत- एरीया सेल्स सेलो वर्ल्ड
सम्पर्क-13 बैंक कालोनी रायका बाग, जोधपुर (राज.)
मो. 09829025946, 09314026946

क्र. (126) शिरीष दिनेशचन्द्र पोद्धार
जन्म दि. 13-10-1976, समय- 1.30, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता- एम.काम.
कार्यरत- नौकरी रिलायंस कम्पनी जामनगर
सम्पर्क- हाटकेश्वर वार्ड डॉ. राऊत गली, खण्डवा
मो. 9977747629

क्र. (127) रमाशंकर नरेन्द्र प्रसाद नागर
जन्म दि. 28-7-1973, समय- प्रातः 4.20, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता- एम.ए. (संस्कृत) डी.एड.
कार्यरत- नौकरी संविदा शाला शिक्षक 3
सम्पर्क- म. नं. 119 कर्मचारी कालोनी कालापीपल मंडी, जिला शाजापुर
मो. 9424028618, 9424550921

क्र. (128) आशुतोष स्व. श्री ओमप्रकाश मेहता
जन्म दि. 4-8-1977, समय- रात्रि 1.50, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता- एम.काम.
पता- मुनी नगर 70/एल.आई.जी.बी. सांवेर रोड, उज्जैन

क्र. (129) विशाल स्व. श्री ओमप्रकाश मेहता
जन्म दि. 12-9-1979, समय- रात्रि 21.50, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता- बी.कॉम.
सम्पर्क- मुनी नगर 70/एल.आई.जी.बी सांवेर रोड, उज्जैन मो. 993379998

क्र. (130) गौरव भुवनेश त्रिवेदी
जन्म दि. 10-9-1981, समय- शाम 4.35, नीमच
शैक्षणिक योग्यता- बी.बी.ए. एम.बी.ए. पूना
व्यवसाय- नौकरी बाम्बे
सम्पर्क- मुरली मनोहर मंदिर ग्राम कायथा तह. तराना जिला उज्जैन मो. 09993342992, 07369 262119

क्र. (131) मनीष ओमप्रकाश नागर
जन्म दि. 26-3-1982, समय दोप. 2 बजे, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- मेकेनिक डिप्लोमा. बी.ई. अध्ययनरत अंतिम वर्ष
सम्पर्क-301,महीदपुर रोड, नागदा जं. मो. 9907006348

क्र. (132) सुमित कुमार डॉ. विजय कृष्ण व्यास
जन्म दि. 24-3-1983, समय- प्रातः 4.10, धार
शैक्षणिक योग्यता- बी.कॉम. कम्प्यूटर डिप्लोमा हार्डवेयर इंजीनियर
व्यवसाय- नौकरी एरिया चैनल मैनेजर
सम्पर्क- रेल्वे स्टेशन रोड, मक्सी जिला शाजापुर
मो. 9425083345, 07363233621

क्र. (133) निखिल अरुण व्यास
जन्म दि. 6-6-1982, समय- रात्रि 1.39, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- बी.कॉम, एम.बी.ए. अध्ययनरत
कार्यरत- सेल्स मैनेजर (आनंद राठी कम्पनी)
सम्पर्क- 34, नागनागिनी रोड, शाजापुर
मो. 9229679001, 07364229492

क्र. (134) नितिन रामचन्द्र नागर
जन्म दि. 26-3-1982, समय रात्रि 2.15, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता- बी.कॉम फायनल ज्योतिष शास्त्र
सम्पर्क- 83, भाट गली उज्जैन म.प्र.
मो. 9827677793, 0734-2561854

क्र. (135) धर्मेन्द्र जितेन्द्र दवे
जन्म दि.31-7-1974, समय-रात्रि 11.05, बांसवाड़ा
शैक्षणिक योग्यता- बी.कॉम.
कार्यरत- व्यवसाय
हाटकेश्वर मंदिर के पास नागरवाड़ा बांसवाड़ा (राज.) मो. 09950163729, 02962 248091

क्र. (136) शैलेन्द्र सन्तोष नागर
जन्म दि. 11-9-1981 समय- 9.05, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम. एल.एल.बी.
व्यवसाय- पत्रकार
सम्पर्क- 30, खाराकुआ जैन मंदिर के पास, उज्जैन मो. 990518037, 990718037

क्र. (137) सचिन रमेशचन्द्र शर्मा
जन्म दि. 9-6-1980,समय-प्रातः7.45, झालावाड़
शैक्षणिक योग्यता - एम.ए. व्यवसाय- एल.आई.सी. एजेन्ट एवं इंटिरिअर डेकोरेटर्स
सम्पर्क- विद्या भवन गोदाम की तलाई झालावाड़ (राज.) फोन 07432 23282

क्र. (138) कमल रमेशचन्द्र शर्मा
जन्म दि. 6-9-1977, समय-रात्रि 23.10, झालावाड़
शैक्षणिक योग्यता- बी.एस.सी., सी-डेक डिप्लोमा एवं आटो केड डिजाईनिंग कोर्स
कार्यरत-नौकरी ए.बी.बी. लिमि. बड़ोदा में डिजाइनिंग
सम्पर्क- विद्या भवन गोदाम की तलाई झालावाड़ (राज.) फोन 07432 23282

क्र. (139) मयंक योगेश मेहता
जन्म दि. 28-11-1980 समय 5.10, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता- हायर सेकेण्डरी एवं अध्ययनरत डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड वि.वि. उज्जैन
व्यवसाय- पंडित सेवारत
सम्पर्क- 201, सत्यम अपार्टमेन्ट माधव क्लब रोड, फ्रीगंज, उज्जैन मो. 09425985896
व्यवसाय- अध्ययनरत
सम्पर्क- ग्राम कस्तुरबा नगर सुमंगल गार्डन रतलाम

(शेष अगले अंक में)

7 आचार्य पं. सन्तोष कुमार व्यास (देवज्ञ) 7
हस्तरेखा विशेषज्ञ, वास्तुविद्, कुंडली मिलान
(ज्योतिष विद्या से बतायें भविष्य फल का आधार श्रद्धा व विश्वास है।)
10, बीमानगर, खजराना रोड़, इन्दौर फोन 4060184, मो. 9425963751

❋ युवतियां ❋

क्र. (251) कु. श्वेता राजेन्द्र नागर
जन्म दि. 27-3-1987, समय- रात्रि 9.55, मन्दसौर
शैक्षणिक योग्यता- बी.ए., पी.जी.डी.सी.ए.
व्यवसाय- नौकरी शिक्षिका प्रायवेट स्कूल
सम्पर्क- बी/17, पदमावती नगर, अभिनन्दन विस्तार प्रथम, मन्दसौर मो. 07422-234187

क्र. (252) कु. मोनिका कैलाशचन्द्र नागर
जन्म दि. 14-12-1981, समय-प्रातः 9.30, भोपाल
शैक्षणिक योग्यता- एम.एस.सी. पीजीडी.सीए., डी.टी. पी. एस.आई.टी.डी. टेली
व्यवसाय- प्रायवेट कालेज में कम्प्यूटर टीचर
सम्पर्क- एम.-ई.डब्ल्यू एस. 357 न्यास कालोनी इटारसी, जिला होशंगाबाद, मो. 9826741159

क्र. (253) अदिति अतुल व्यास
जन्म दि. 22-9-1986, समय- दोप. 2.10, इन्दौर
शैक्षणिक योग्यता-बी.काम पी.जी.डी.सी.ए. में अध्य.
व्यवसाय- प्रायवेट शिक्षक
सम्पर्क- 282/482, ई.डब्ल्यू.एस. इन्दिरा नगर पानी की टंकी के सामने, एल.आई.जी. के पीछे, उज्जैन, फोन 4071756

क्र. (254) कु. स्वाती चन्द्रकान्त मेहता
जन्म दि. 27-2-1976,समय-ए.एम. 1.27, रतलाम
शैक्षणिक योग्यता-एम.ए. (अंग्रेजी) बी.एस.सी (गणित)
व्यवसाय- बैंक
सम्पर्क- 51, नागर वास रतलाम 457001
मो. 9229877731, 07412-243440

क्र. (255) शिखा अनिल बसंती लाल नागर
जन्म दि. 27-9-1985, समय- रात्रि 10.55, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- बी.ई. (सी.एस.)
व्यवसाय-नौकरी साफ्टवेयर इंजी. (इम्पेटस) इन्दौर
सम्पर्क- 168, आदर्श कालोनी शाजापुर,
मो. 9425034548, 07364 228142

क्र. (256) कु. दिव्या राजकुमार शर्मा
जन्म दि. 16-5-1985, समय- प्रातः 8.40, बैरछा मंडी
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम. एम.ए.
सम्पर्क-राज फोटो क्रिएटर्स बेरछा मंडी, जिला शाजापुर मो. 9981949513, 07363 235131

क्र. (257) कु. रचना रामचन्द्र मेहता
स्थान- जिला शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- 11 वीं अध्ययनरत
सम्पर्क- काशी नगर, शाजापुर, मो. 9926053986

क्र. (258) कु. पूजा बद्रीप्रसाद नागर
जन्म दि. 4-8-1991, इन्दौर
शैक्षणिक योग्यता- 8 वीं
सम्पर्क- ग्राम लडावद, जिला शाजापुर

क्र. (259) कु. भाविनी तुलसीदास मेहता
जन्म दि. 27-6-1975, समय-रात्रि 9.00, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- बी.एस.सी. डिप्लोमा ड्रेस डि.
सम्पर्क- 124, श्री नगर एक्सटेंशन इन्दौर
मो. 9926081728

क्र. (260) कु. आद्या भरत देवीलाल मेहता
जन्म दि.14-10-1984, समय-रात्रि 9.35, शिवपुरी
शैक्षणिक योग्यता- बी.ई. (आई.टी.)
व्यवसाय-नौकरी साफ्टवेयर इंजी. एल एण्ड टी पूणे
सम्पर्क-142, व्यास नगर (ऋषि नगर एक्सटेंशन) उज्जैन
मो. 9826857189, 2514225

क्र. (261) कु. मितिषा कमलेश शुक्ला
जन्म दि. 13-9-1985, समय- रात्रि 3.00, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता- B.Sc. II वर्ष माइक्रो बायलाजी
व्यवसाय- जनरल नर्सिंग ट्रेनिंग
सम्पर्क- 4, केशव नगर कालोनी, हरिफाटक उज्जैन
फोन 0734-2571041

क्र. (262) कु. श्वेता सतीश नागर
जन्म दि. 4-6-1986, समय- 9.45, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता-कम्प्यूटर डी.सी.ए. एवं स्नातक
व्यवसाय- एम.बी.ए. में प्रवेश हेतु प्रयत्नरत
सम्पर्क-2,आदर्श कालोनी, शाजापुर, मो. 9229442056

क्र. (263) कु. श्रुति योगेन्द्र देव पण्डया
जन्म दि. 30-9-1983, समय- प्रातः 4.00, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता- एम.एस.सी. केमेस्ट्री, आई.टी.आई. (कम्प्यू. साइंस) एम.बी.ए.
सम्पर्क- विनय नगर सेक्टर 2-ए, जैन मंदिर एवं कुशवाह कोचिंग के पास उर्वी गेट ग्वालियर
फोन 0751-6453184

क्र. (264) कु. सुरभि योगेन्द्र देव पण्डया
जन्म दि.11-4-1979,समय- रात्रि 14.10, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यता-बी.काम. आई.टी.आई. कम्प्यू. साइंस
सम्पर्क- विनय नगर सेक्टर 2-ए, जैन मंदिर एवं कुशवाह कोचिंग के पास उर्वी गेट ग्वालियर फोन 0751-6453184

क्र. (265) कु. वीणा शिवकुमार नागर
जन्म दि. 1-1-1987, समय- 11.20, माचलपुर
शैक्षणिक योग्यता- बी.ए.
सम्पर्क-50/26,आदित्य नगर शाजापुर मो. 9977013067

क्र. (266) कु. प्रियंका मुकेशकुमार नागर
जन्म दि. 5-4-1989, लड़ावद
शैक्षणिक योग्यता- 12 वीं अध्ययनरत
सम्पर्क- ग्राम लडावद, जिला शाजापुर
मो. 9753450918

क्र. (267) कु. अंशु अरुण नागर
जन्म दि. 15-6-1986, समय- रात्रि 2.45, शाजापुर
सम्पर्क- 659, वैशाली नगर (सेठी नगर) उज्जैन,
मो. 9926531915

क्र. (268) कु. दीपिका विजय रावल
जन्म दि. 2-10-1984, समय- प्रातः 3.45, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता-एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य) अध्य.
व्यवसाय- नौकरी टाटा इंडिकाम
सम्पर्क-13,अणु परिसर, कंचन विहार नीलगंगा, उज्जैन मो. 9406863976

क्र. (269) कु. रूचिता सुभाष नागर
जन्म दि. 14-5-1984, समय- रात्रि 3.10, नीमच
शैक्षणिक योग्यता- एम.ए. फाईनल कम्प्यू. हार्डवेयर एण्ड नेटवर्किंग
सम्पर्क- 127, राजस्व कालोनी, नीमच
सम्पर्क- 9826053538

क्र. (270) कु. निशा गोपालकृष्ण नागर
जन्म दि. 7-3-1991, समय- दोप. 1.40, रतलाम
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम. अध्ययनरत
सम्पर्क- सुमंगल गार्डन कस्तुरबा नगर, रतलाम
मो. 9926839646, 07412 405144

क्र. (271) कु. हेमा गोपालकृष्ण नागर
जन्म दि. 7-5-1986, रतलाम
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम. अध्ययनरत
सम्पर्क- सुमंगल गार्डन कस्तुरबा नगर रतलाम
मो. 9926839646, 07412 405144

DEALING IN
VIDEOCON
PAGARIA
ONIDA
SAMSUNG
ORIENT
khaitan
SINGER
Lords
WILSON

Mahesh Mehta

Mehta & Sons

SHOW ROOM

970, Sudama Nagar, Indore Ph.: 2481996, Mobile No. 98266-33350, 98277-99265

क्र. (272) कु. पूनम राजेन्द्र नागर
जन्म दि. 29-8-1984,समय-रात्रि 8.55, नरसिंहगढ़
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम. एम.ए.
व्यवसाय- नौकरी शिक्षक
सम्पर्क- 61, सागपुर (बायपास रोड) नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ (ब्यावरा)
मो. 9301880913, 07374-280820

क्र. (273) कु. प्रीति नारायणप्रसाद नागर
जन्म दि. 25-4-1983, समय- रात्रि 9.55, पेटलावद
शैक्षणिक योग्यता- बी.एस.सी. (गणित) एम.ए. (सं.)
व्यवसाय- नौकरी शिक्षक प्रायवेट
सम्पर्क- मंगल भवन के पास गोपाल कॉलोनी, झाबुआ
मो. 9425925087

क्र. (274) कु. विभा राजेन्द्र रावल
जन्म दि. 25-12-1986,समय- रात्रि 9.30, भोपाल
शैक्षणिक योग्यता-एम.ए. कम्प्यू. डिप्लोमा PGDCA
सम्पर्क- 40 एस.आई टैगोर नगर खजुरीकला रोड, डि सेक्टर पिपलानी भोपाल, फोन 2752334

क्र. (275) कु. निशा लक्ष्मीनारायण नागर
जन्म दि.12-10-1989,समय-प्रातः 9.00, अभयपुर
शैक्षणिक योग्यता- बी.ए. डी.सी.ए. कम्प्यूटर
सम्पर्क- ग्राम व पोस्ट अभयपुर, जिला शाजापुर
मो. 9993351577, 250156

क्र. (276) कु. रेणुका राजेन्द्र शर्मा
जन्म दि. 16-6-1989, समय- रात्रि 1.00, सारंगपुर
शैक्षणिक योग्यता-बी.काम. फाइनल में अध्ययनरत
सम्पर्क- नई कालोनी मोहन बड़ोदिया, जिला शाजापुर, मो. 9893278461

क्र. (277) कु. पूजा जगदीश नागर
जन्म दि. 13-2-1990, समय- रात्रि 7.45, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता- 12 वीं अध्ययनरत
सम्पर्क- ग्राम कनार्दी, जिला उज्जैन
मो. 9424805196, 07369-267460

क्र. (278) कु. यामिनी भरतकुमार नागर
जन्म दि. 26-7-1988, समय- दोप. 12.10, राजगढ़ (ब्यावरा)
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम A.D.C.A.
सम्पर्क- 19/228, नागनागनी मार्ग, शाजापुर,
मो. 9425438115, 229729

क्र. (279) कु. अंजली सुरेशचन्द्र नागर
जन्म दि. 9-9-1987, समय- प्रातः 4.05, शामगढ़
शैक्षणिक योग्यता- एम.ए. (इतिहास) पूर्वाद्ध
सम्पर्क- C/o. नागर आटो मोबाईल्स प्रगती चौराहा, दलौदा, जिला मंदसौर
मो. 9926839646, फोन 07422-262345

क्र. (280) कु. प्रिया जगदीश नागर
जन्म दि. 1986 समय- रात्रि 2.28, मोडी
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम.PGDCA
सम्पर्क-114, आदर्श कालोनी, शाजापुर फोन 228797

क्र. (281) कु. रूचि जगदीश नागर
जन्म दि. 3-12-1987, समय-शाम 5.00, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- बी.काम. अध्ययनरत
सम्पर्क-114, आदर्श कालोनी, शाजापुर,फोन 228797

क्र. (282) कु. लक्ष्मी स्व. श्री जुगलकिशोर नागर
जन्म दि. 22-9-1986, समय- रात्रि 2.10 राऊ
शैक्षणिक योग्यता- एम.काम. अध्ययनरत
सम्पर्क-6/238,शिवशक्ति निवास,गुरुकृपा कालोनी, राऊ

क्र. (283) कु. मिताली पी.एस. मेहता
जन्म दि. 8-9-1988, समय- प्रातः 5.55, मन्दसौर
शैक्षणिक योग्यता- बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
सम्पर्क-12 हाजी कालोनी संजीत नाके के पास, मन्दसौर फोन 07422-256219

क्र. (284) कु. श्वेता अनूप नागर
जन्म दि. 27-4-1981, समय-रात्रि 1.26, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता- बीसी ए, एम.बी.ए.
व्यवसाय- नौकरी
सम्पर्क- 20, भक्त नगर श्री गोर्वधन कुंज, दशहरा मैदान उज्जैन मो. 9827612156

क्र. (285) कु. सुरभि अनिलकुमार नागर
जन्म दि. 12-3-1984, समय- रात्रि 10.10, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता- बी.ई. इलेक्ट्रीकल्स एण्ड इले.
व्यवसाय-नौकरी साफ्टवेयर इंजिनीयर,टी.सी.एस. मुम्बई
सम्पर्क-161, महा श्वेता नगर देवास रोड, उज्जैन
मो. 9977128377, 0734-2510240

क्र. (286) कु. दृष्टि दीपक मण्डलोई
जन्म दि. 6-4-1982, समय- रात्रि 9.50, उज्जैन
शैक्षणिक योग्यता-बी.एस.सी.एजी.एम.एस.सी. एग्रोनोमि
व्यवसाय-नौकरी मार्केटिंग मैनेजर डीपीआईपी गुना
सम्पर्क- 38, घटपरकर मार्ग गुरुनानक मार्केट फ्रीगंज, उज्जैन फोन 0734-2521107

क्र. (287) कु. प्रीति रमेशचन्द्र नागर
जन्म दि. 17-4-1987, समय-रात्रि 1.04, पचलाना
शैक्षणिक योग्यता- 12 वीं अध्ययनरत
सम्पर्क-ग्राम पोस्ट पचलाना त. नलखेड़ा,जि. शाजापुर
मो. 9424562739, 07361-224522

क्र. (288) कु. प्रीति रमेशचन्द्र नागर
जन्म दि. 3-1-1986, समय- रात्रि 8.45, दुपाड़ा
शैक्षणिक योग्यता- बी.ए.
व्यवसाय- नौकरी शिक्षिका प्रायवेट स्कूल
सम्पर्क- 1, भट्ट मोहल्ला मोहनभाई काम्पलेक्स के पीछे, शाजापुर मो. 9926721587, 07364-2270868

क्र. (289) कु. पूर्णिमा रमेशचन्द्र नागर
जन्म दि. 9-2-1990, समय- प्रातः 9.35, पचलाना
शैक्षणिक योग्यता- 12 वीं अध्ययनरत
सम्पर्क-ग्राम पोस्ट पचलाना तह. नलखेड़ा, जि. शाजापुर
मो. 9893259403, 07361-244522

क्र. (290) कु. रजनी पुरुषोत्तम नागर
जन्म दि. 5-8-1987, सोडाना राज.
शैक्षणिक योग्यता- एम.ए. हिन्दी
सम्पर्क- ग्राम सोडाना पो. छिनोद तह. किशनगंज, जि. बारा (राज.) मो. 9929907843,07456-211082

क्र. (291) कु. शुभदा मधुर त्रिवेदी
जन्म दि. 27-6-1985,समय-रात्रि 16.44, शाजापुर
शैक्षणिक योग्यता-B.Com. PGDHRM (MSU)
व्यवसाय-एच.आर. ऑफिसर (केडिला) अहमदाबाद
सम्पर्क-द्वारा C.B. मेहता सोमवारिया बाजार, शाजापुर
मो. 9426876171, 07364-228375

क्र. (292) कु. रितु नटवरलाल व्यास
जन्म दि. 22-7-1982, समय- प्रातः 5.15, जयपुर
शैक्षणिक योग्यता- बी.एस.सी.
व्यवसाय- शिक्षिका
सम्पर्क- 693, सुदामा नगर, इन्दौर
फोन 0731-2482274

क्र. (293) कु. श्वेता महेन्द्र व्यास
जन्म दि. 23-1-1986, समय- रात्रि 10.15, जयपुर
शैक्षणिक योग्यता-M.A. अध्ययनरत B.H.S.C.
सम्पर्क- ए-5/5, ऋषी नगर, उज्जैन
मो. 98265-41324, 0734-2517847

शुभकामनाओं सहित
शर्मा ब्रदर्स
ब्रोकर, कॉटन सीड, केक एंड आईल
4/2, मुराई मोहल्ला, श्री निकेतन, शॉप नं. 1 छावनी, इन्दौर
फोन 2706115, 2707115, मो. 94240-09615, 9826088115, 9826081115, 9926088115, 9009562115

शाजापुर में जीवन साथी परिचय सम्मेलन का सफल आयोजन
हाटकेश्वर धाम के लिए जमीन क्रय : भूमि पूजन जल्दी ही

शाजापुर। म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद के तत्वावधान में स्थानीय नागर धर्मशाला में जीवन साथी परिचय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिषद् के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र व्यास ने बताया कि शाजापुर शहर से ए.बी. रोड पर इंदौर की तरफ 50 हजार स्क्वेअर फीट भूमि हाटकेश्वर धाम के लिए क्रय की गई है जहां जल्दी ही भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम हेतु मालव संत पं. श्री कमल किशोरजी नागर को आमंत्रित किया गया है क्योंकि उन्हीं के आग्रह पर यह वृहद् योजना बनाई गई है।

जीवन साथी परिचय सम्मेलन 7 सितम्बर 08 रविवार को प्रदेशभर के प्रतिनिधियों के समक्ष दो सत्रों में आयोजित किया गया जिसमें प्रथम उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. नरेन्द्र नागर ने की तथा मुख्य अतिथि श्री नरेशराजा अहमदाबाद एवं विशिष्ट अतिथि थे भावनगर से पधारे श्री रश्मीभाई पाठक। प्रदेश प्रतिनिधियों के रुप में मंच पर उपस्थित थे डॉ. मनोहरलाल शर्मा, उपेन्द्र नारायणजी मेहता देवास, श्री लव मेहता, श्रीमती वत्सला बेन (उज्जैन) श्री किशोरीलालजी, श्रीमती प्रेमलता मेहता, श्री सुरेश दवे मामा (शाजापुर) श्री बालकृष्ण नागर भोपाल, श्री विजय पौराणिक (उज्जैन) श्री हरिनारायणजी नागर (पीपलरावां) पं. मोहन भट्ट (खजराना इन्दौर) विष्णुदत्तजी नागर (रतलाम) श्री कृष्णकांत शुक्ला (उज्जैन) आदि। दीप प्रज्वलन के पश्चात श्रीमती ममता एवं मीनाक्षी नागर ने नरसि मेहता का भजन प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत श्री राजेन्द्र नागर, श्री हेमंत नागर, श्रीमती प्रेमलता मेहता ने किया। अपने स्वागत भाषण में अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र व्यास ने कहा कि इन्दौर एवं उज्जैन में सफलतम परिचय सम्मेलन आयोजित होने के पश्चात वर्तमान में परिचय सम्मेलन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। परिषद ने विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के प्रति भागियों को आकर्षित करने में सफलता प्राप्त की। आपने कहा कि अध्यक्ष पद संभालने के बाद से सबको साथ लेकर चलने का प्रयत्न कर रहे है तथा आपस में जोड़े रखने के लिए भव्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। मालव संत पं. श्री कमल किशोरजी नागर के आग्रह पर सुविधाजनक एवं भव्य हाटकेश्वर धाम के निर्माण हेतु भूमि क्रय की है तथा वहां निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए जल्दी ही भूमि पूजन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। शाजापुर में 130 परिवारों से प्रतिदिन एक रुपया एकत्र करने की योजना संतश्री के आव्हान के बाद शुरु की जा चुकी है। परिचय सम्मेलन के संयोजक श्री राजेन्द्र नागर ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की तथा कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति के प्रतीक हमारे अध्यक्ष के इरादों से बड़े आयोजन सम्पन्न हो पाते हैं। जीवन साथी परिचय सम्मेलन समय की मांग है तथा विवाह योग्य बच्चों को उपयुक्त मंच प्रदान किया जाना चाहिए। अब अभिभावकों के विचारों में भी बदलाव आया है। वे अच्छे रिश्तों के लिए दूर जाने के लिए भी तैयार है। श्री रमाकांत नागर ने कहा कि वर्तमान समय में अंतरजातीय विवाह बढ़ रहे हैं परन्तु समाज के अन्दर किये जाने वाले विवाह असफल होने का प्रतिशत काफी कम रहता है। श्री रश्मि भाई पाठक भावनगर ने कहा कि आपके यहाँ सहकार एवं सहयोग की भावना अच्छी है। श्री नरेशराजा अहमदाबाद ने कहा कि वैष्णव जन वे ही है जो पीड़ पराई जाणे है। मेरी प्रार्थना है कि हाटकेश्वर भगवान समाजसेवा करने वालों को शक्ति प्रदान करें। भगवान आपका हाटकेश्वर धाम का स्वप्न साकार करें। डॉ. नरेन्द्र नागर ने कहा कि जिन समाजबंधुओं ने वैष्णवजन का भजन जीवन में उतार लिया उनके सामाजिक एवं पारिवारिक कष्ट खत्म हो जाएंगे। पैसे को महत्व न दे तथा समाज के लिए काम करने वालों को प्रोत्साहित करें। समाजबंधुओं को जागृति एवं सजगता प्रदान करने वाले इस उद्घाटन सत्र के पश्चात परिचय सत्र की कमान श्री राजेन्द्र नागर एवं श्री हेमन्त दुबे ने संभाली तथा उपस्थित युवक-युवतियों ने मंच पर आकर अपने परिचय प्रस्तुत किए। तत्पश्चात परिवारों के बीच कुंडली मिलान एवं सम्बंधों की चर्चाओं के साथ सुस्वादिष्ट भोजन का आयोजन हुआ तथा ज्यादातर प्रतिभागी सम्पर्क सूत्र के इस सम्मिलन पर खुश नजर आए इस आशा के साथ कि बात आगे बढ़ेगी और विवाह तक पहुंचेगी।

-दीपक शर्मा

अभी पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएँ

दवे परिवार

इन्दौर (म.प्र.)

श्री सुरेशचन्द्र नागर का सम्मान

उज्जैन। ऐसे सत्य सिखाना जग को, अनाचार जग से मिट जाए,
मिटे स्वर्ग की असत् कल्पना, शाश्वत सत्य भूमि पर आए,
तुम भू के भगवान, तुम्हारे चरणों में ईश्वर मिलते हैं
तुम अन्तर के माली, तुमसे फूल जिन्दगी के खिलते है,
मैं भुलूं पर तुम मुझसे भूलों पर उदास न होना,
तुम शिक्षक, विद्वान तुम्हारी प्रतिभा से लोहा भी सोना।।
शिक्षक उस मोमबत्ती के समान है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाशित करती है। ऐसे ही ज्ञान के प्रकाशपूंज श्री सुरेशचन्द्र जी नागर जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी एवं प्रधान अध्यापक मा. विद्यालय इन्दिरा नगर को सफल सेवा निवृत्ति पर नगर निगम शिक्षा समिति द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री बाबूलाल जैन पूर्व मंत्री एवं अध्यक्ष सामान्य वर्ग प्रकोष्ठ (म.प्र. शासन) थे। इसके पूर्व जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री सुशील चौरषिया के मुख्य आतिथ्य में भावभीना बिदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें श्री चौरषिया ने श्री नागर के सफल सेवाकाल की प्रशंसा व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। श्री नागर के 38 वर्षों के प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शालाओं में उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना की गई।

श्री नागर ने अपने सम्पूर्ण सेवाकाल में जनसहयोग एवं शासन के सहयोग से शालाओं में भवन निर्माण, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों जैसे स्काउट, रेडक्रास, राष्ट्रीय सेवा योजना, से जुड़कर विभाग में समर्पित भाव से सेवाकर सादगी एवं विनम्रता का उदाहरण प्रस्तुत किया। सर्वशिक्षा अभियान से प्राप्त राशि के द्वारा श्री नागर के निर्देशन में किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को माननीय शिक्षा राज्यमंत्री श्री पारस जैन ने प्रशंसा की। इस अवसर पर श्री नागर ने अपने सेवाकाल में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों साथी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सहयोग के लिए कृतज्ञता प्रकट की।

-संदीप मेहता

वह थी 'सुहानी'

वह हमारे सारे परिवार की लाडली थी। सबसे छोटी जो थी। वह भी सारे परिवार से उतना ही स्नेह करती थी। परिवार क्या उसे तो घर में हर आने वाले मेहमान और रिश्तेदारों से प्यार था और बोली तो ऐसी कि उससे एक बार कोई मिल लेता था तो उसे याद रखता था। भगवान से भी उसे बहुत प्रेम था, रात को सोते समय उसे लौरी की जगह भजन सुनना ज्यादा पसंद थे और जब तक पूरे परिवार को 'जय श्री कृष्णा' नहीं बोले तब तक उसे नींद नहीं आती थी। कभी-कभी तो सोते से उठ कर कहती थी मैंने उनको 'जय श्री कृष्ण नहीं बोला' मैं बोल कर आऊं। छोटी-सी उम्र में भी उसे यह मालूम था कि किनसे कैसी बात करना है, मजाक भी करती थी, गम्भीर बातें भी करती थी, घर आने वालों का सम्मान और उनके स्वल्पाहार का ध्यान भी उसे रहता था, और जाने वालों को वापस आने का कहना भी वह नहीं भूलती थी। वह हमारी थी लेकिन सबको यह अहसास होता था कि वह उनकी है। जन्म से ही लगी कोई बीमारी के कारण उसे काफी समय अस्पताल में भी रहना पड़ा और वहां भी उसने नर्स-डाक्टरों का दिल जीत लिया था। उसके व्यवहार के बारे में कई घरों में चर्चा होती थी हमसे भी कई लोग यह पूछते थे कि उसे यह सब सिखाता कौन है। जबकि यह सब हमने उसे नहीं सिखाया बल्कि यह वह अपने मन से ही करती थी। हमें तो यह लगता है कि वह एक हवा का प्यारा सा झोंका थी या खुद देवी माँ का अवतार। हम उसकी प्रशंसा इसलिये नहीं कर रहे हैं क्योंकि वह हमारी थी, बल्कि यह बात तो हर वह व्यक्ति जानता है, जिससे उसने बात की या उसके सम्पर्क में आया था।

आज वह हमारे बीच नहीं रही है, दो साल पहले 12 अक्टोबर को किसी गंभीर बीमारी ने उसे हमारे हाथों से छिन लिया था, लेकिन आज भी ऐसा महसूस होता है कि वह कहीं नहीं गई। वह तो आज भी हमारे साथ है। वह थी मात्र ढाई वर्ष की छोटी-सी बच्ची सुहानी.... हमारी सुहानी....सबकी सुहानी....

-मनीष शर्मा

समझौता अपने आप से

दिल के आइने में है तस्वीर यार।
जब जरा गर्दन झुकाई देखली
-स्वामी राम तीर्थ

सच्चा सुख पाने के लिये अथवा दुखों की अत्यधिक निवृत्ति के लिये 'अपने' आप से समझौता करना चाहिये। प्रत्येक जीव प्राणी सच्चा सुख चाहता है, दुःख कोई भी नहीं चाहता। सच्चा सुख उसे कहते है जिसमें लेश मात्र भी दुःख ना हो, तथा जो पाने के बाद भी, किसी भी अवस्था में, परिस्थिति में ना बदले, ना घटे और ना ही सुख का अभाव हो। शरीर संसार का अंश है एवं जीवात्मा परमात्मा का अंश है इसलिए शरीर को संसार की सेवा में लगाने और जीवात्मा को परमात्मा में लगाने से, अपने से समझौता होकर दुःखों की अत्यधिक निवृत्ति हो जाती है। अपने से समझौता करने वाले का आत्मा-परमात्मा के साथ समझौता हो जाता है, अपने से समझौता करने वाले का सारे संसार से समझौता हो जाता है, और ऐसा महापुरुष सारे संसार का स्वामी बन जाता है। अपने से समझौता करने के लिए, जीवन की दिनचर्या में ध्यान को प्रथम स्थान देना चाहिये ध्यान करने से सारे पाप-ताप, रुपी दुखों की निवृत्ति होकर सच्चे सुख शांति रुपी आनन्द की प्राप्ति हो जाती है ध्यान करने वाला मनुष्य अपनी आन्तरिक शक्तियों का सुचारु रुप से उपभोग कर सकता है। ध्यान द्वारा आध्यात्मिक और व्यावहारिक ज्ञान अर्जन करने में सहायता मिलती है। ध्यान जवान हो अथवा वृद्ध, लड़का हो अथवा लड़की और पुरुष हो अथवा स्त्री सबको सच्चा सुख-आनन्द प्रदान करने वाला होता है।ध्यान लगाने के लिये कुछ करना नहीं पड़ता, केवल जो संसार के प्रति मोह-ममता रूपी आसक्ति होती है उसे छोड़ना पड़ता है। ऐसा समझना उचित नहीं होगा कि ध्यान करना केवल योगी, संत महात्मा और विरक्तों का काम है, अथवा जिन्हें कोई काम धन्धा नहीं करना पड़ता, तथा जो संसार से मुंह मोड़कर व्यवहार से दूर रहते है। सच तो यह है जो अपने से समझौता कर लेगा उसे ध्यान की भी आवश्यकता नहीं रहेगी, वह तो अपने आप ही नित्य निरन्तर ध्यान में रहेगा, आत्मा परमात्मा का अनुभव करके आनन्द मयी जीवन की गोद में बैठे हुए अपने आप में परिपूर्ण रहेगा। यदि कोई मनुष्य व्यवहारिक जीवन में काम धन्धा कर व्यवस्था करता है, अथवा कोई सामाजिक कार्य करता हो वह भी नित्य नियम से प्रातः काल एक आधा घन्टा ध्यान करेगा तो उसकी सारी थकान दूर हो कर स्फूर्ति, चुस्ती, काम करने की रूचि बनी रहेगी और व्यवहारिक जीवन में तथा घर गृहस्थी जीवन में कोई कठिनाई नहीं होगी तथा अन्तःकरण में तनाव ना होगा, सारी समस्या आसानी से सुलझाने की शक्ति उदय हो जायेगी। जिस प्रकार अग्नि से शोधा हुआ सोना सम्पूर्ण मल को त्यागकर अपने स्वाभाविक स्वरुप को प्राप्त कर लेता है उसी प्रकार मन ध्यान के द्वारा सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण को त्याग कर, अपने स्वरुप आत्मपद को प्राप्त कर लेता है। जब ध्यान का अभ्यास करते-करते परिपक्व अवस्था हो जाती है, तब मन अपने स्वरुप-आत्मा में लीन हो जाता है, ऐसी अवस्था में, आत्मा परमात्मा का अनुभव करने वाली समाधि स्वयं ही सिद्ध हो जाती है। उसके बाद समस्त इच्छाओं, वासनाओं और कर्मों का भी नाश हो जाता है जिस मनुष्य ने ध्यान करके अर्न्तमुखी होकर अध्यात्मिक बोध प्राप्त कर लिया उसका मन संसार के पदार्थों वस्तु और व्यक्तियों से बन्धन मुक्त हो जाता है। सारे दुखों की जड़ यह शरीर है एवं सच्चे सुख आनन्द को देने वाला तथा मोक्ष का द्वार भी यह शरीर है। इसलिये ध्यान करके अपने से समझौता कर इस मनुष्य शरीर का पूरा-पूरा लाभ लेना चाहिये। ध्यान के लिये आसन पर बैठते ही यह निश्चय करना चाहिये कि मैं शरीर नहीं हूं। जैसे वाहन चालक अपना प्रयोजन पूरा करके वाहन को भी भूला देता है ऐसे ही ध्यान के समय शरीर को भूला देना चाहिये। सभी मनुष्य चाहते हैं मेरा जीवन शक्तिशाली हो, समस्त अर्थ कामनाओं से परिपूर्ण और तन्दुरुस्त हो यदि किसी को भी अपनी चाह पूरी करनी हो तो अपने से समझौता कर ध्यान करने लग जाये।

ध्यान

ध्यान अकेले एकान्त में बैठकर, सब आशा तृष्णा का परित्याग कर संकल्प-विकल्प से रहित होकर करना चाहिये। ध्यान प्रतिदिन निश्चित समय पर दो बार प्रातःकाल और संध्याकाल को करना अच्छा होता है, यदि समय ना हो तो एक बार भी कर सकते हैं। प्रातःकाल सूर्योदय होने के दो घण्टे पूर्व जागकर कोई छोटी सी प्रार्थना-स्तूति अथवा अपने इष्ट देव भगवान का नाम धीरे-धीरे प्रेम से गुनगुनाते हुए बिस्तर छोड़ देना चाहिये, शरीर के आवश्यक कार्य प्रेम के साथ मन को प्रफुल्लित रखकर पूरे करे। अपने विवेक से निश्चित करे कि अब कोई कार्य शेष नहीं है फिर शान्ति से बैठकर आत्मा परमात्मा का ध्यान करें। शुरु शुरु में आसन पर उतनी ही देर बैठे जितना अच्छा लगे, फिर दो-दो पांच-पांच मिनट का समय बढ़ाते जाये। यदि पद्मासन लगा कर बैठ सके तो और अच्छा होगा बैठने के समय गरदन और पीठ की रीढ़ सीधी रखें, शरीर को हिलने नहीं दें, मन शान्त रखें, भूत, भविष्य की बातें भूलाकर केवल वर्तमान में रहें। ध्यान साकार अपने इष्ट देव भगवान को सामने रखें एवं भाव ऐसे हो कि साक्षात भगवान अपने सामने है ऐसे ही देखते जब आँखे थक जाये अथवा आंसू आने लगे तो कुछ क्षणों के लिये आंखे बन्द कर आंखो को विश्राम दे, फिर अपने लक्ष्य के अनुसार देखना प्रारम्भ करें ध्यान के समय संसार के पदार्थ वस्तु और व्यक्ति अन्तःकरण में घुसने नहीं पाये। यदि मन शान्त ना रह सके तो मन को भगवान की स्तुति में लगाये रखें। हे दीन बन्धु हे दीनानाथ, हे अर्न्तयामी परमात्मा मेरे मन की कोई भी दशा आपसे छूपी नहीं में आपके चरणों में हूं आप मेरी प्रार्थना सुन लो। ऐसे भाव इष्ट देव भगवान के सामने प्रगट करें। अपने हृदय भाव जितनी लगन से प्रगट करेंगे, भगवान प्रगट होकर वार्तालाप करेंगे। आत्म साक्षात करने के लिये थोड़े-थोड़े समय के लिये अवकाश मिलने से आंख बन्द करके शान्ति का अनुभव करना भी लाभदायक होता है। ऐसा ध्यान का अभ्यास करते-करते जब ध्यान की परिपक्व अवस्था होकर आत्म-साक्षात्कार होता है, फिर तो व्यवहार करते हुए, खाते-पीते, सोते-जगते, आत्मा परमात्मा के दर्शन होते हैं।

ना वे मुझ से दूर थे, ना मैं उनसे दूर था।
आता ना था नजर, यह मेरा कसूर था।।

-पवन शर्मा इन्दौर
मो. 9826095995

कैसा रहेगा अक्टूबर माह

मेष- यह माह आपके लिये मिश्रित फल दायक सिद्ध होगा। आर्थिक मामलों में कुछ परेशानियां आ सकती है आकस्मिक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक सुख की दृष्टि से माह ठीक रहेगा। विद्यार्थी वर्ग शिक्षा को लेकर चिन्तित रह सकते है। व्यापारी वर्ग निवेश सोच समझकर कर करे। इस माह ऊँ अंगारकाय नमः मन्त्र का जाप करें।

वृषभ- यह माह आपके लिये अधिकांशतः लाभ एवं उन्नति दायक होगा माह में भागदौड़ करना पड़ सकती है परिवार में वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर व्यय करना पड़ सकता है। दाम्पत्य जीवन आपके अनुकूल नहीं रहेगा। नौकरी पेशा वर्ग वालों को कार्य अधिक करना पड़ेगा। माह के अन्त तक स्थिति नियंत्रण में होगी। व्यापारी वर्ग को व्यवसाय में लाभ होगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए मध्यम फल प्राप्त होंगे इस माह ऊँ शुं शुक्राय नमः मंत्र का जाप करे।

मिथुन- यह माह आपके लिये मिश्रित फल दायक सिद्ध होगा। परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने से आपके कार्य सिद्ध होंगे। स्वास्थ की दृष्टि से यह माह सामान्य रहेगा। विवाद आदि से बचने का प्रयास करे। लाभ उन्नति के कई अवसर प्राप्त होंगे। समाज में मान प्रतिष्ठा के क्षेत्र में वृद्धि होगी। पति-पत्नि में मध्यम सुख रहेगा। व्यापारी वर्ग चिन्तित रह सकता है। विद्यार्थी वर्ग को मेहनत करना पड़ेगी। इस माह ऊँ एं ह्रीं क्लीं दुर्गायै मंत्र का जाप करें।

कर्क- यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। नए क्षेत्र में प्रवेश से मन उत्साहित रहेगा। मेहनत एवं लगन आपको उच्च शिखर पर पहुंचायेगी। खान-पान पर संयम रखे क्रोध न करें। परिवार के सदस्यों से सहयोग लेवें। उच्च अधिकारी मार्गदर्शन करेंगे। विद्यार्थी वर्ग को परिश्रम की आवश्यकता है। व्यापारी वर्ग के लिए माह मध्यम फलकारी रहेगा। इस माह ऊँ घृणि सूर्यायः मंत्र का जाप करें।

सिंह- यह माह पिछले माह की चिन्ताओं से मुक्ति प्रदान करेगा स्वास्थ उत्तम रहेगा। अपने मार्ग में आने वाली बाधाओं को बुद्धि बल के द्वारा दूर करे। आपके बैंक बेलेंस में बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैः विद्यार्थी वर्ग के माह बहुत अच्छा रहेगा। व्यापारी वर्ग सोच समझकर पूंजी निवेश करे। नवरात्रि उपरान्त ही किसी बड़े सौदे को अंजाम देवे इस माह ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र का जाप करे।

कन्या- यह माह आपके लिए विशेष फलकारी सिद्ध होगा। आय के नए स्त्रोतो की रुपरेखा बनेगी, माह के अंत में जीवन शैली में बदलाव सम्भव है। साक्षात्कार के लिए यात्रा करना पड़ सकती है। संपत्ति क्रय-विक्रय करने की चर्चा परिवार में हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग के लिए माह अधिक व्यस्तता भरा रहेगा। व्यापारी वर्ग को अच्छे फल प्राप्त होंगे इस माह ऊँ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करें।

तुला- यह माह आपके लिए स्वास्थ की दृष्टि से ठीक नहीं रहेगा उत्साह एवं आत्म विश्वास में कमी के कारण थकान का अनुभव करेंगे। इस समय जीवन साथी से छोटे-मोटे वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। किसी बड़ी बाधा का सामना करना पड़ सकता है। वाणी पर संयम रखे। विद्यार्थी वर्ग के लिए माह संतोषजनक रहेगा बाजार में तेजी के कारण व्यापारी वर्ग को अच्छा लाभ प्राप्त होगा इस माह ऊं श्री गुरुवे नमः मंत्र का जाप करें।

वृश्चिक- यह माह आपके लिए मिश्रित फलदायक सिद्ध होगा। आर्थिक दृष्टि से देखा जाये तो यह माह आपके लिए गत माह से ठीक रहेगा। व्यय कम होने से आपको जीवन में आनन्द की अनूभूति होगी। व्यापारी वर्ग को माह के प्रारम्भ में कुछ कठिनाई आ सकती है। कृष्णपक्ष का समय ठीक रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए विधाध्ययन करने के लिए मेहनत करना पड़ेगी। इस माह ऊँ भौमाय नमः मंत्र का जाप करे।

धनु- यह माह आपके लिए गत तीन माहों से अधिक लाभ एवं उन्नति दायक रहेगा। आपका स्वास्थ उत्तम रहेगा। अपने कर्म के प्रभाव से आपका भाग्यबल बढ़ेगा। माह के मध्य में आपको सन्तान लाभ हो सकता है। नौकरी पेशा वर्ग के लिए नए जॉब के एवं पदोन्नति के योग बनेंगे। व्यर्थ की बातों में ध्यान न देवे अन्यथा हानि उठानी पड़ सकती है। व्यापारी वर्ग के लिए माह शुभाशुभ रहेगा। विद्यार्थी वर्ग प्रतियोगिता में सफलता हासिल करेंगे। अध्ययन में विशेष ध्यान दें। इस माह ऊँ बृं बृहस्पतये नमः मंत्र का जाप करे।

मकर- यह माह आपके अनुकूल रहेगा धन लाभ प्राप्त होने से आप प्रसन्न रहेंगे। माह के मध्य में किसी लम्बीदूरी की धार्मिक यात्रा करना पड़ेगी। मांगलिक कार्य के सुअवसर प्राप्त होंगे। नौकरी पेशा वर्ग वाले व्यक्तियों के लिए मिश्रित फल प्राप्त होंगे। व्यापारी वर्ग के लिए कुछ कष्ट हो सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिए यह माह उत्तम रहेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। इस माह ऊँ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करें।

कुम्भ- यह माह आपके लिए अपेक्षाकृत आपके अनुरुप नहीं रहेगा। माह के प्रारम्भिक दिनों में मानसिक परेशानी एवं दुर्घटना संभव हैं। शत्रु आपको कष्ट पहुंचाने का प्रयास करेंगे। अचानक बड़े खर्चों से आपकी आर्थिक स्थिति गड़बड़ा सकती है। माता-पिता के स्वास्थ को लेकर चिन्ता रह सकती है। भाग्य के दृष्टि कोण से देखा जाय तो यह माह उत्तम नहीं है। व्यापारी वर्ग सम्भल कर सौदे बाजी करें घाटा हो सकता है। विद्यार्थी वर्ग का स्वास्थ खराब रह सकता है। खान-पान में सावधानी बरतें तो अति उत्तम रहेगा। इस माह ऊं आदित्याय नमः मंत्र का जाप करें।

मीन- यह माह आपके लिए मिश्रित फल युक्त होगा। गत माह की स्वास्थ सम्बंधी परेशानी दूर होगी। अपने प्रयास से आप सफलता प्राप्त करेंगे। पारिवारिक दृष्टि से यह माह आपके लिए मध्यम रहेगा। सन्तान की ओर से किसी अप्रत्याशित शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी पेशा वर्ग के लिए माह शुभ रहेगा। व्यापारी वर्ग भी इस माह से अति प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग मनोरंजन में समय व्यतीत करेंगे। माह के अंत में विद्यार्थी वर्ग चिन्तित रहेगा। जिससे तनाव बढ़ेगा। इस माह ऊँ बुं बुधाय नमः मंत्र का जाप करे।

पं. विजय नागर

दीपोत्सव मुहूर्त

ग्रह भ्रमण काल- सूर्य 16.10 सेतुला, मंगल - 9.10 से तुला में अस्त
बुध - 13.10 से कन्या में उदय, गुरु- धनु में मार्गी
शुक्र - 13.10 से वृश्चिक में - शनि- सिंह में उदय
राहू - मकर में - कर्क - कर्क में रहेंगे
पंचक- इस माह पंचक 10.10.2008- 19.46 मि.से 14.10.2008 29.04 मि. तक रहेंगे।

दीपावली पूजन मुहूर्त- दीपावली पूजन सदैव स्थिर लग्न में ही किया जाना चाहिए। रात्रि में स्थिर लग्न निम्न प्रकार रहेंगे।
सायंकाल- वृषभ लग्न 07.00 मि. 8.55 मि. तक
अर्द्धरात्रि- सिंह लग्न 01.28 मि. 03.44 मि. तक
यह दीपावली पूजन का मुख्य समय है।

रोकड़ मिलान- कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा बुधवार 29 अक्टूबर 2008 को प्रातः 06.48 मि. से 09.36 मि. तक लाभ एवं अमृत के चौघडिये में पुनः 11.00 बजे से 12.24 तक शुभ का चौघडिया तथा सायं 03.12 मि. से 06.00 मि. तक चंचल एवं लाभ का चौघडिया रहेगा।

धन त्रयोदशी- श्री कुबेर पूजा मुहुर्त

संवत 2065 कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी रविवार दिनांक 26 अक्टूबर 2008 को यम दीपदान एवं श्री कुबेर पूजन सायंकाल 06.40 से 10.55 तक होगा।

दीपावली के शुभ मुहुर्त- कलम में स्याही भरने का मुहुर्त प्रातः 09.36 से 01.48 मि. तक दोप. 03.12 से 04.36 मि. तक
प्रदोष काल- सायं 05.55 मि. से 08.16 मि. तक रहेगा
वृश्चिक लग्न- प्रातः 8.16 मि. 10.34 मि. तक
कुम्भ लग्न- दोप. 2.25 मि. 03.55 मि. तक
वृषभ लग्न- लक्ष्मीपूजन 07.00 से 8.55 मि. तक
सिंह लग्न- लक्ष्मीपूजन 01.28 मि. अर्द्धराशि से 3.44 मि. तक
चौघडिया का मुहुर्त- लाभ अमृत प्रातः 11.00 से 01.48 तक
शुभ- दोपहर 03.12 से 4.36 तक

नागर ब्राह्मण समाज के युवा ज्योतिषी पं. विजय नागर को जन्म दिन 11 अक्टूबर की हार्दिक शुभकामनाएँ
युवा ज्योतिषी मित्र मण्डल मध्यभारत
अखिल भारतीय नागर ब्राह्मण शाखा, इन्दौर
(ऑ.) 131, 4th फ्लोर दवा बाजार, आर.एन.टी. मार्ग, इन्दौर
फोन 0731-4095948, मो. 94250-67741

जीवन का पाठ

मैं चाहता हूं
किसी की डूबती शाम का उजाला बनूं।
मैं चाहता हूं
किसी की भटकी नैया का किनारा बनूं।
मैं चाहता हूं
किसी के प्यासे गले का नीर बनूं।
मैं चाहता हूं
किसी पंछी के टूटते घरौंदे का तिनका बनूं।
मैं चाहता हूं
किन्ही बूढ़ी पथराई आंखों की हलचल बनूं।
मैं चाहता हूं
इस मानव जीवन को व्यर्थ न जाने दूं।
इंसानियत को इंसान की पहचान बना दूं।
मानव को मानव जीवन का पाठ सिखा दूं।

-मोहन शर्मा
(सभापति जनपद पंचायत)
देवास

ESTD : 1991 REGD.No. 101410638/PMT/ल.ऊ.-1
Ph.No.(Works)07662-253735
KANPUR ELECTRONICS
Opp.SWAGAT BHAVAN,SUPER MARKET, REWA (M.P.)
CONTACT PERSON :
(A) SHRI KISHAN PANDYA,CHIEF EXE.(TECH)
Mob.No.094253-57898
(B) SMT.MALINI PANDYA,PROPRITOR,
Mob.No.094258-74798
(C) SHRI JAWAHARLAL K. PANDYA, FOUNDER
Ph. No. 07662-253535, Mob.No.098270-88329

गुरुजी श्री कैलाश नागर
बी.ए.बी.जे.कॉम. ज्योतिष रत्न, वास्तु विशारद
चेयरमेन--------------------
ह्यूमन वेलफेयर कमिटमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट

विशेषज्ञः- फेस रीडिंग, हस्तरेखा, जन्मफल, वर्ष-फल, लाल किताब एवं बिना तोड़फोड़ वास्तु दोष निवारण। मिलने हेतु संपर्क करें:
विशाल पटेल, मो.98260-97866

महर्षि पाराशर
एस्ट्रो इन्टरनेशनल सेंटर
ॐ ☪ ੴ ✝
सर्व धर्म समभाव
आश्रम : 5, मारुति नगर, सुखलिया,
निवास : 17-बी, 24 बंगलो, स्कीम नं. 114-I,
सागर ऑटो मोबाइल के सामने, देवास नाका,
ए.बी. रोड़, इन्दौर फोन-(नि.) 0731-2554488 मो.94250-55308

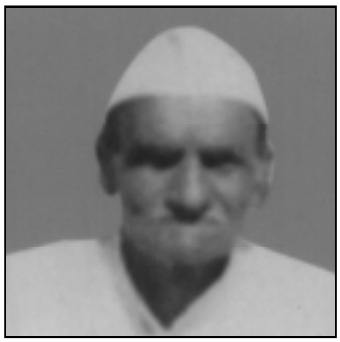

द्वितीय पुण्यतिथि पर विशेष

सादगी के प्रतीक पं. श्री लक्ष्मीनारायणजी शर्मा

(1915-2006)

हमेशा कर्म में विश्वास सेवाभावना, सरलता एवं सादगी की प्रतिमूर्ति पण्डित श्री लक्ष्मीनारायणजी शर्मा का व्यक्तित्व जीवन पर्यन्त स्मरणीय रहेगा। माकडोन निवासी स्व. पण्डित श्री पूरालालजी शर्मा के यहां 7 मई 1915 को आपका जन्म हुआ। आपका विवाह राऊ निवासी स्व. श्री गेन्दालालजी व्यास की सुपुत्री सौ.कां. श्रीमती सरस्वती देवी शर्मा के साथ हुआ। शांत चित व्यक्तित्व हंसमुख सरलता और सादगी आपका प्रमुख गुण रहा है, इस गुण की छाप आपके तीनों पुत्रों डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, मनोहर शर्मा एवं मुरलीधर शर्मा में स्पष्टतया दृष्टिगोचर होती है। आपने प्राथमिक स्तर तक शिक्षा ग्रहण की, उस समय इसी योग्यता से शिक्षक पद पर चयन हुआ किन्तु पिताजी ने कहा कि नौकरी करना ब्राह्मणों का कार्य नहीं है, स्वाभिमानी से जजमानी (पण्डिताई) का कार्य करें। आपने पण्डिताई का कार्य सफलतापूर्वक किया और माकड़ोन क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई। कानून की विधिवत शिक्षा प्राप्त नहीं की किन्तु क्षेत्र में होने वाले विवाद, निपटारा, सम्पत्ति अभिलेख आदि लिखने का कार्य निःशुल्क करते रहे। जिससे आपको ग्राम पंचायत एवं न्याय पंचायत तराना में पंचायत सचिव मनोनित किया गया। आपकी न्यायप्रियता एवं इमानदारी से प्रभावित ग्राम के परिवारों द्वारा सम्पत्ति के फैसले के लिए आपको हमेशा आमंत्रित किया जाता रहा। हमेशा धोती-कुर्ता एवं सफेद टोपी आपके व्यक्तित्व की पहचान थी। आपने पं. श्री राम शर्मा आचार्य के विचारों का क्षेत्र में प्रचार प्रसार किया और वेदमाता गायत्री के परमभक्त रहे। हमेशा वेदमाता गायत्री के आराधक रहे दादाजी का स्वर्गलोक गमन आश्विन नवरात्रि की दुर्गा नवमी 1 अक्टूबर 2006 को हुआ। आपके सरलता एवं सादगी के आदर्श एवं सिद्धांत पर परिवार आज भी चल रहा है।

-श्रीमती सुनीता शर्मा माकडोन
फोन 07369-261175

मनुष्य से प्रेम करो तभी मिलेगा ईश्वर

भले ही सदा लोगों की भलाई नहीं कर सकते किन्तु कम से कम विनम्रता से बाते तो कर ही सकते हो, फिर भी तुम ऐसा करते नहीं।

ईश्वर में विश्वास चाहे वह किसी भी माध्यम से हो, मूल आधार है। तुम वजन तोलने वाली मशीन पर खड़े होते हो और यह देखकर हर्षित होते हो कि पिछली बार तुलने के बाद से अब तुम्हारा वजन 5 किलो बढ़ गया है। किन्तु मशीन तुम्हारे इस हर्षोल्लास पर हंसती है। और अपने मन ही मन कहती है हाँ जब तुम मरोगे तो तुम्हारी काठी को कन्धा देने वालो को 5 किलो बोझ और ढोना पड़ेगा। तुम जिस संसार में आए हो वह धर्म क्षेत्र है।

अतः धर्मशील बनो तुम्हारा भाग्य केवल भोग विलास के सुख की चोटी पर चढ़ना नहीं है। बल्कि परमात्मा के शिखर पर पहुंचना है। दया और धर्म तुम्हें उस उच्च शिखर पर पहुचाएंगे, इसलिये अपनी पूर्ण और श्रेष्ठ क्षमता के अनुसार इन गुणों को व्यवहारिक रुप में अपनाओ। तुम भले ही सदा लोगों की भलाई नहीं कर सकते किन्तु कम से कम विनम्रता से बाते तो कर ही सकते हो, फिर भी तुम ऐसा करते नहीं जिव्हा में आघात करने, कष्ट पहुंचाने की अतिरिक्त शक्ति होती है अतः उस पर तुम्हे जरा अधिक ही नियंत्रण रखना पड़ेगा। अपने शब्दों से किसी को कष्ट मत पहुचाओ, हमारे शब्द द्वारा किसी भी व्यक्ति को कष्ट पहुंचा हो तो हम क्षमा प्रार्थी है। प्रेम का प्रचार-प्रसार करो प्रेम से परिपूर्ण रहो यदि तुम मनुष्य से प्रेम नहीं कर सकते तो ईश्वर से कैसे प्रेम करोगे? धन और शक्ति की वृद्धि की और उपेक्षा के भाव का विकास करो धृतराष्ट्र अपने साम्राज्य, सत्ता, और सौ पुत्रो पर आश्रित रहा, उन्हें नहीं त्याग पाया। किन्तु अन्त में उसे अपने सिंहासन, सत्ता और संतति का, अपने वंश का सर्वनाश भुगतना पड़ा और इसके फलस्वरुप दुख और संकटों से भरा एकाकी जीवन बीताना पड़ा।

-मोहन शर्मा
सभापति जनपद पंचायत
देवास

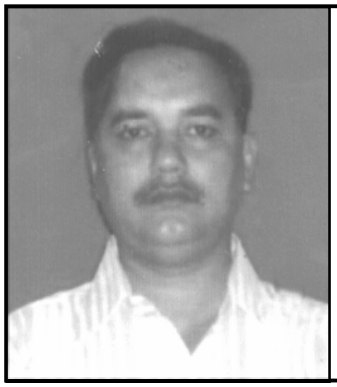

Kush Mehta

Bhoomi Space

A-10/4, LIG, Rishi Nagar, UJJAIN 456006 (M.P.)
Phone :- 0734-2524116, Cell 9827088736
e-mail : bhoomispace@yahoo.co.in
Web: www.buoomispace.com

सुंदरकांड से जीवन को सुन्दर बनाएं - व्यास

इन्दौर। गोस्वामी तुलसीदासजी रचित रामचरित मानस में वर्णित सभी सात कांडों में सुंदरकांड का विशेष महत्व है। सुंदरकांड की चौपाइयों का मनन कर जीवन को और अधिक सुन्दर व सार्थक बनाया जा सकता है। ये विचार उभरते हुए प्रवचनकार सिख मोहल्ला राम मंदिर के पं. अजय व्यास ने हाल में 'सुन्दरकांड का सौन्दर्यबोध' विषय पर केन्द्रित प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। अपनी डेढ़ घंटे की संगीतमय प्रस्तुति के दौरान उन्होंने सुंदरकांड में वर्णित विभिन्न प्रसंगों की अभिनव व्याख्या की। उन्होंने कहा कि सुंदरकांड की चौपाइयों में समाहित भावनाओं से प्रेरणा लेकर वर्तमान आपा-धापी भरे जीवन में जीवन प्रबंधन की प्रेरणा ली जा सकती है। सुंदरकांड का पाठ करने से न केवल दुःख और कष्ट के समय चुनौतियों का सामना करने का बल मिलता है, बल्कि सामान्य दिनों में जीवन के सौंदर्यबोध का ज्ञान प्राप्त होता है। श्रम न्यायाधीश श्री प्रवीण त्रिवेदी और श्रीमती मीना त्रिवेदी द्वारा साउथ तुकोगंज स्थित अपने निवास पर हनुमानजी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन का परिवार के सदस्यों, निकट संबंधियों और इष्टमित्रों ने भक्ति भावना के साथ पूरा आनन्द लिया। 28 वर्षीय युवा प्रवचनकार पंडित अजय व्यास राममंदिर सिख मोहल्ला वाले स्व. पं. लक्ष्मीकांतजी व्यास के सुपौत्र हैं और अपनी भजन मंडली के साथ भजन संध्या के अनेक आयोजन सफलतापूर्वक कर चुके हैं। यह जानकारी अ.भा. नागर परिषद की इन्दौर शाखा के सचिव निलेश नागर दी।

खुश रहो... खुशी बांटो

इन्दौर। नागर महिला मंडल की मासिक बैठक 27 सितम्बर 08 को अध्यक्ष श्रीमती शारदा मंडलोई के निवास पर आयोजित की गई जिसमें आय.एम.ए. के श्री एस नन्द ने उपस्थित 40 सदस्यों को जीवन का महत्व समझाया। श्री नन्द ने अपने प्रभावी उद्‌बोधन में कहा कि यह जीवन हमें पूरी शिद्दत के साथ जीना चाहिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। जिन्दगी जिंदादिली का नाम है। हम स्वयं खुश रहें कार्यों को पूरी लगन से करें, दूसरों को खुश रखें तथा अपना जीवन प्रेरणादायी बनावें। परिचर्चा में उपस्थित महिला सदस्यों ने अन्त में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। अध्यक्ष श्रीमती शारदा मंडलोई एवं सचिव श्रीमती डॉ. रेणुका मेहता ने सभी का स्वागत किया। तथा तय किया गया कि इसी परिचर्चा की अगली कड़ी दिसम्बर माह में पुनः आयोजित की जावे। महिला मंडल के इस अभिनव आयोजन की सर्वत्र प्रशंसा हुई तथा उपस्थित महिला सदस्यों ने अपने परिवारों से चर्चा कर परिचर्चा को सार्थक करने का प्रयत्न किया।

आगामी बैठक एक नवम्बर को

नागर महिला मंडल की आगामी बैठक एक नवम्बर शनिवार को आयोजित की जावेगी। जिसमें बोन्साई प्रशिक्षण, प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। सलाद सजावट प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान से सम्बंधित प्रतियोगिताएँ दोपहर तीन बजे से अध्यक्ष श्रीमती शारदा मंडलोई के निवास स्थान पर आयोजित है। इस सूचना को ही निमंत्रण मान कर स्वयं भी पधारें तथा इष्ट मित्रों रिश्तेदारों को भी लाभान्वित करें।

जन्मदिन की बधाई

कु. प्रतिभा शर्मा (चिंकू)
दिनांक 1 अक्टूबर
दादा-दादी-डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा-श्रीमती कोमल शर्मा
पिता-माता महेन्द्रकुमार शर्मा- श्रीमती सुनीता शर्मा
निवास-माकडोन तह. तराना जि. उज्जैन मो. 07369-261175

रुद्रांश नागर
हम सबका राज दूलारा नटखट चंचल निश्छल,
हम सबकी आँखो का तारा, तू है घर का प्यारा।
जन्मदिन की प्रथम वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई
मम्मी-पापा (संध्या-धर्मेन्द्र नागर)
दादी-दादी (शकुन्तला-दुर्गाशंकर नागर)
नाना-नानी (वन्दना-डॉ. विजय कृष्ण व्यास)
आवास- 178-ए/ए, तुलसी नगर, इन्दौर फोन 0731-6536918

माणकबाई भट्ट
जन्मदिन की हार्दिक बधाईयां
दिनांक 29 सितम्बर

सतीश व्यास
(सुपुत्र- श्री अम्बाशंकरजी व्यास)
दिनांक 24 अक्टूबर
नि. हाटपीपल्या जि. देवास
मो. 9300393624, 9893819118

श्रीमती गायत्री नरेन्द्र मेहता
दिनांक 2 अक्टूबर
मेहता, शर्मा एवं मंडलोई परिवार

अपूर्व वोरा
दिनांक 15 अक्टूबर
दादी- चन्द्रा वोरा, श्रीमती गायत्री मेहता, नताशा, चानू, अर्णव,दक्ष, अर्पण

श्रीमति हिमानी राजेश नागर
(प्रथम वर्षगाठ) दिनांक 28 सितम्बर
'परिश्रम' नागर परिवार की ओर से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ
-लतिका नागर (स्नोबर)

श्री गोवर्धननाथ मंदिर के मुखिया श्री मनमोहनदास मैहता श्रीजी शरण में

शाजापुर। नगर की प्रसिद्ध पुष्टिमार्गीय हवेली के मुखिया श्री मनमोहनदास का गोलोकवास हो गया। श्री मेहता पिछले कुछ माह से अस्वस्थ थे।

जीवन पर्यंत अपने ठाकुरजी श्री गोवर्धननाथजी की सेवा में समर्पित रहे। आपके लिए अपने ठाकुरजी की सेवा ही चारों धाम के समान थी। हवेली के मुखिया के साथ आप समर्पित कर्तव्य निष्ठ शिक्षक रहे। गर्ल्स स्कूल से अपनी सेवा आरंभ करते हुए हायर सेकण्डरी स्कूल तथा उसके पश्चात मा.वि. हरायपुरा एवं मा.वि. महालक्ष्मी स्कूलों के प्रधानाध्यापक रहते हुए इस पद से सेवानिवृत्त हुए। आपने अपनी शिक्षक कर्तव्य निष्ठा के साथ प्रभु सेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य माना। श्री मेहता पुष्टि सम्प्रदाय में मुखिया के रुप में कई आचार्यों एवं महाराजश्री से सम्मानित हुए। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में आपके अमूल्य योगदान पर कई बार सम्मानित किया गया।

पं. विजय नागर की नियुक्ति सहसम्पादक पद पर

मक्सी। नागर समाज के युवा ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पं. विजय नागर को मासिक पत्रिका सर्वमंगला (आध्यात्मिक, योग तंत्र ज्योतिष) के प्रधान सम्पादक श्री राजेन्द्र पांडेय ने सह सम्पादक एवं मार्केटिंग एक्जीक्यूटीव के पद पर नियुक्ति दी है। नागर समाज के सदस्य उपरोक्त विषय के लेख पत्रिका में दे सकते हैं। पत्रिका में विज्ञापन एवं सदस्यता हेतु पं. विजय नागर 415 आर्केड सिल्वर फोर्थ फ्लोर 56 दुकान के पास सम्पर्क कर सकते हैं। फोन नं. 0731-4006699 तथा मोबाईल नं. 9425067741 है। पं. नागर वर्तमान में 93.5 एसएफएम पर भी प्रति शनिवार 12 से 2 बजे तक अपनी ज्योतिषीय सेवाएँ प्रदान कर रहें हैं।

दिसम्बर माह में गुजरात के नागर तीर्थों की यात्रा का निर्णय

झाबुआ। दिनांक 22.9.2008 को नागर परिषद् की बैठक श्रीराम मन्दिर में समाज के अध्यक्ष श्री राजेश नागर की अध्यक्षता में संरक्षक श्री घासीराम नागर एवं परामर्शदाता श्री लक्ष्मीकान्त नागर, श्री हरिविठ्ठल नागर (कोठारी) उपाध्यक्ष श्री सुभाष नागर, सचिव श्री नारायण नागर, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नागर (कोठारी) श्री हेमुनागर, श्री महेश नागर, श्री जितेन्द्र नागर श्री मितेष नागर, महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा, सचिव श्रीमती लीना, श्रीमती मधुबाला एवं श्रीमती शितल शंशाक नागर की उपस्थिति में सम्पन्न हुई, बैठक में नवदुर्गा उत्सव पर निकलने वाली माताजी की शोभा यात्रा का स्वागत करने के प्रस्ताव पर 5000 पानी के पाउच व पुष्पों द्वारा स्वागत करने का निर्णय लिया गया, बैठक में समाज की समिति का पंजीयन करवाने का भी निर्णय लिया गया, व माह दिसम्बर में समाज के कुलदेवता श्री हाटकेश्वर महादेव बड़नगर एवं कुलदेवी श्री अम्बे माता के दर्शन हेतु जाने पर विचार किया गया जिसका निर्णय दिनांक 18.10.2008 को महिला समिति की बैठक में किया जायेगा। पेटलावद एवं पिटोल में नागर ब्राह्मण परिषद् का गठन होने पर झाबुआ इकाई के सभी सदस्यों ने पेटलावद परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद नागर, सचिव श्री मांगीलाल नागर, उपाध्यक्ष श्री प्रदीप नागर, कोषाध्यक्ष श्री उपेन्द्र नागर एवं श्री नितेश नागर, परामर्शदाता श्री विठ्ठलजी, श्री गोविन्दजी एवं श्री कृष्णकान्त नागर पिटोल कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री रामेश्वर नागर, सचिव श्री प्रकाशचन्द्रजी नागर (मोदी), सचिव श्री बालकृष्णजी नागर, कोषाध्यक्ष श्री किशनजी नागर, कार्यकारिणी में श्री सुखनन्दनजी, सदाशिवजी, राजेन्द्रजी, कैलाशजी नागर को बधाई दी।

अनहद नाद

अनहद नाद में नर्तन करता अंतस।
शाश्वत है अमृत गुफा में रस।
ध्यान धारा प्रवाह में तन्मय।
सुषुप्त है इंद्रियों की नस-नस।।
श्वास, स्वाद, रुप, स्पर्श गंध।
प्राण मध्य समीर दो कस।।
हलाहल के उन्माद 'चंदन' शीश।
जीवन काल अविरल रहा डस।।

-आलोक नागर चंदन
राजपुर

मेहता कम्यूनिकेशन
बी.एस.एन.एल. द्वारा अधिकृत
सिम प्रीपेड, पोस्टपेड प्लान परिवर्तन
आईडिया, एयरटेल, स्मार्ट, टाटा, रिम एवं
बी.एस.एन.एल. सुविधा उपलब्ध
समस्त कंपनियों के रिचार्ज वाउचर उपलब्ध है
लैंडलाइन कनेक्शन ब्राडबैंड कनेक्शन

श्री किसान कृषि सेवा केन्द्र
कृषि दवाइयां, बीज एवं कृषि उपकरण के विश्वसनीय विक्रेता
21-ए, क्षीरसागर शापिंग कॉम्पलेक्स, उज्जैन
फोन 0734-2563035, मो. 9425094581,
9425380483, 9425917018

त्यौहारों का मौसम और नागर समाज के व्यंजन

विजया दशमी (दशहरा)

तिथि- आश्विन शुक्लपक्ष दशमी

माहात्म्य- दशहरे का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था।

भोग - गेहूं के आटे का पांच या दस कोने वाला ठोर बनाया जाता है।

विशेष- आज के दिन नए वस्त्र पहनने की प्रथा है और घर के सभी बड़ों के पैर छू कर आशीर्वाद लेने की प्रथा है। बड़े लोग त्यौहारी भी देते हैं। शाम को पेठा व रेवड़ी का भी भोग लगता है।

ठोर :-

सामग्री-	गेहूं का आटा	-	250 ग्राम
	चीनी	-	250 ग्राम
	घी (मोयन के लिए)	-	100 ग्राम
	घी (तलने के लिए)	-	आवश्यकतानुसार
	पानी	-	आवश्यकतानुसार

विधि- 1. आटे में मोयन डालकर कड़ा आटा बांधकर मठरी की तरह बेलें।
2. उंगलियों और अंगूठे की सहायता से मठरी के किनारे दबाकर कंगूरे बनाएं।
3. गर्म घी में डालकर धीमी आंच पर गुलाबी होने तक तलें और दो तार की चाशनी में डाल कर पागें।

विशेष- 1. दशहरे पर ठोर बनाने के लिए सफेद तिल का प्रयोग कर सकते हैं।

शरद पूर्णिमा-

तिथि- आश्विन शुक्लपक्ष पूर्णिमा

माहात्म्य- यह शरद मास की बड़ी पूर्णिमा है। ऐसी मान्यता है कि रात में चन्द्रमा की रोशनी में सुई में धागा डालने से आखों की ज्योति बढ़ती है। इस दिन कृष्ण भगवान ने गोपियों के साथ महारास किया था।

भोग- आज भगवान को सफेद वस्त्र से व सफेद श्रृंगार से सजा कर चांदनी में बैठाया जाता है। पूजा व भोग में दूध चिवड़ा, दही-चिउड़ा, चावल की खीर और चन्द्रकला, सिंघाड़ा (पानीफल), रेवड़ी, बतासा, नारियल एवं सफेद फलों का भोग लगाया जाता है।

चन्द्रकला-

सामग्री -	मैदा	-	250 ग्राम
	चावल का आटा या मैदा (साटा बनाने के लिए)	-	500 ग्राम
	पीसी चीनी	-	100 ग्राम
	घी (मोयन के लिए)	-	2 बड़े चम्मच
	घी (मिश्रण साटा बनाने के लिए)	-	2 बड़े चम्मच
	घी (तलने के लिए)	-	आवश्यकतानुसार

विधिः- 1. मैदा में मोयन डालकर कड़ा गूंथ लें और लोई बनाकर पूरी की तरह बेलें।
2. मिश्रण (साटा) बनाने के लिए मैदा या चावल का आटा और घी मिलाकर हलका होने तक फेंटे और गाढ़ा घोल तैयार करें।
3. पूरी पर ऊपर से नीचे की ओर लाते हुए साटा लगाए और रोल करे।
4. रोल के दोनों छोरो को घुमाते हुए एक दूसरे पर रखे और हल्के हाथ से दबाकर, पूरी की तरह बेलें और धीमी आंच पर गुलाबी-गुलाबी तलें।
5. चन्द्रकला पर पीसी चीनी फैलाएँ।

विशेष 1. चन्द्रकला को चाशनी में पाग भी सकते हैं।
2. पीसी चीनी में पीसी छोटी इलायची भी डाल सकते हैं।

कार्तिक कृष्णपक्ष

करवाचौथ

तिथि- कार्तिक कृष्णपक्ष चतुर्थी

माहात्म्य- यह व्रत पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिये किया जाता है।

पूजा- शाम को मिट्टी, चीनी, पीतल या स्टील के (इच्छानुसार) करवा की पूजा की जाती है। करवे को खड़िया से रंग कर कुमकुम से साथियाँ और चाँदला किया जाता है। करवा के गले में नाड़ाछड़ी बांधी जाती है। करवा में चावल भर कर, ढक्कन पर चीनी, दक्षिणा, सुपारी, सिन्दूर, कुमकुम की पुड़िया, ब्लाउज का टुकड़ा रखा जाता है। इस तरह करवे को सजा कर चौकी पर रखा जाता है और फिर उसकी पूजा करके कहानी पढ़कर जब चन्द्रमा निकल आए तो लोटे में (फूल कुमकुम, चावल) डालकर ध्र्य दिया जाता है। पूजा के बाद बड़ों से आशीर्वाद लिया जाता है। तत्पश्चात भोजन करने की प्रथा है।

व्रत- करवाचौथ विवाह के बाद उसी साल से आरम्भ किया जाता है। सारा दिन निर्जल रहकर अथवा फल मिठाई खाकर व्रत किया जाता है। चन्द्रोदय पश्चात् चन्द्रमा को अर्घ देने के बाद व्रत किया जाता है। हर घर की भोग सामग्री अलग रहती है। कहीं नमक का और कहीं बिना नमक या अविशान खाया जाता है। (अविशान में बिना हल्दी का और सेंधा नमक डालकर खाया जाता है।) करवा घर की किसी भी बड़े पद वाली सौभाग्यवती

कृषि, किसान जगत का सजग राष्ट्रीय समाचार पत्र

कृषि अंकुर

सभी क्षेत्रों में ऐजेन्सी देना है

सम्पर्क करें- मो. 94250-61063 सम्पादक- शशि बजाज

सास, ननद, जेठानी में से किसी एक को दिया जाता है।

सामग्री- उड़द की दाल (धुली)	-	100 ग्राम
चावल का आटा	-	2 बड़े चम्मच
दही	-	250 ग्राम
आलू	-	100 ग्राम
मटर	-	100 ग्राम
पानीफल (सिंघाड़ा)	-	100 ग्राम
कच्चा केला	-	1
शकरकन्द	-	1
खीरा	-	1
राई	-	1/4 छोटा चम्मच
जीरा	-	1/4 छोटा चम्मच
नमक	-	स्वादानुसार
अदरक हरी मिर्च (पीसी हुई)	-	1 छोटा चम्मच
लाल मिर्च	-	1/2 छोटा चम्मच
तेल (तलने के लिए)	-	आवश्यकतानुसार
पानी	-	2 ग्लास
तेल (छोंक के लिए)	-	1 बड़ा चम्मच

विधि- 1. दही में चावल का आटा अच्छी तरह मिलाकर पानी डालकर घोल बनाएँ।

2. घोल में नमक, अदरक और हरीमिर्च डालकर उबलने दें।

3. सारी सब्जियां (आलू, मटर, शकरकंद, कच्चा केला, पानीफल) उबालें और छीलकर हाथ से फोड़ कर घोल में डालकर थोड़ी देर उबलने दें।

4. उड़द की दाल को धोकर एक घन्टा भिगाकर पीसे और नमक डालकर छोटी-छोटी पकौड़ियां तलें।

5. पकौड़ियों को पानी में डालकर थोड़ी देर भींगने दें और फिर हाथ से दबाकर पानी निकालें और सब्जी में डाल दें।

6. दो चम्मच गर्म तेल में राई, जीरा सूखी, लाल मिर्च, तेजपत्ता, धनिया लौंग और गरम मसाला डालकर छौंक कर सब्जी में डालें।

7. हरा धनिया डालें।

विशेष- 1. अविशान की सब्जी इसी विधि से बनती है। इसमें चावल के आटे की जगह कूटू या सिंघाड़े के आटे का उपयोग होता है।

2. सेंधा नमक खाया जाता है।

3. सब्जी हो जाने पर पके केले के टुकड़े भी डाल सकते हैं।

दीपावली

तिथि- कार्तिक कृष्णपक्ष अमावस्या

माहात्म्य- इस दिन रामचन्द्रजी रावण का वध करके, सीताजी व लक्ष्मण के साथ अयोध्या वापस आए थे तब अयोध्यावासियों ने उनका स्वागत किया था। पूरी अयोध्या को दीपकों से जगमगा दिया था। दीपावली पर घर की सफाई कर दीपों से घर जगमगा कर लक्ष्मीजी के स्वागत की तैयारी की जाती है।

पूजा- मिट्टी के गणेश लक्ष्मी की मूर्ति के सामने 16 कोड़िया कल्पाने का, कलश, साथिया, कैरी का साथिया, बनाकर शाम को पूजा की जाती है। उसके बाद पटाखे चलाये जाते हैं व सारे घर में दीप जलाकर रखे जाते हैं।

कोड़िया कल्पाने के समय निम्न नाम लेकर अर्घ दिया जाता है। 1. लक्ष्मीजी, 2, कुबेरजी, 3 राधा दामोदर, 4, तुलसीजी, 5. गंगाजी, 6. यमजी, 7. पड़दादा, 8. पड़दादी, 9. दादाजी, 10. दादीजी, 11.माताजी, 12. पिताजी, 13. पड़नानाजी, 14. पड़नानीजी, 15, नानाजी, 16. नानीजी। उसके बाद विसर्जन किया जाता है। 16 दीप घी के 15 तेल के और एक बड़ा दीप घी का होता है जो लक्ष्मी जी का माना जाता है और रात भर प्रज्वलित रखा जाता है।

दीपावली के दीप और साथिया

भगवान के सामने, तुलसी जी और कमरे की देहरी पर बेल व साथिया बनाया जाता है। कई घरों में एकादशी से भइयादूज (सात दिन) कई घरों में एकादशी से दिवाली (पांच दिन) तक कई घरों में धनतेरस से भैया दूज (पांच दिन) तक व कई घरों में धनतेरस से दिवाली (तीन दिन) तक साथिया व शाम को पांच दिये किये जाते हैं। स्त्रियां तरह तरह की रंगोली (पाउडर के रंगो से) जमीन पर बनाती है।

भोग- दीपावली में हलुआ व चूरमा लड्डू का विशेष रुप से भोग लगाया जाता है। इसके अलावा तरह तरह के व्यंजनों का मिठाई का भोग लगाया जाता है।

शाम की पूजा में लाई, लावा व बताशा, चीनी के खिलौने के भोग का विशेष महत्व है।

विशेष- रात्रि के तीसरे पहर में घर का कचरा झाड़ कर एक सूप या पट्टे पर रख एक दिया जलाकर घर के द्वार के बाहर रखा जाता है। लौटते समय "अड़च जाय लक्ष्मी आवे" कहा जाता है।

(महिला मंडल कोलकाता द्वारा प्रकाशित धरोहर से साभार)

पंचवटी ढाबा
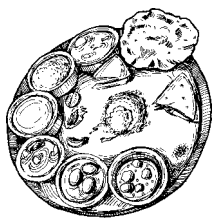
इन्दौर रोड, खण्डवा
शुद्ध शाकाहारी भोजन के लिए

पंचवटी मोटर सर्विस
खण्डवा
बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर्स एवं ठेकेदार

राजकुमार मण्डलोई 9329842963
धनराज मेहता - 9907558080

बाल सम्पादक की कलम से..

क्या तुम जानते हो कि हमारे समाज का इतिहास कितना स्वर्णिम है तथा वर्तमान भी...जब ज्ञान तथा विद्वत्ता की बात हो, कुशल नेतृत्व का सवाल हो हमारे समाज में एक से बढ़कर एक हस्तियां मौजूद है, भूतकाल एवं वर्तमान के साथ ही अब हमें गौरवशाली नेतृत्व संभालना है अतः हम भी उच्चशिक्षा प्राप्त कर विद्वान नेतृत्वकर्ता बनने का प्रयत्न करें। हमारा कर्तव्य है कि अपने बड़ों का आदर करते हुए अपनी संस्कृति और संस्कार को सर्वोपरी रखें।

प्रबल शर्मा- मो. 9202210750

रंग भरो प्रतियोगिता

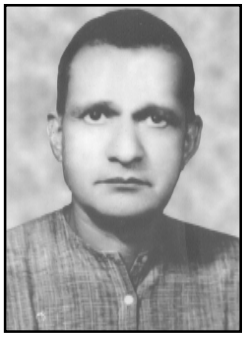

रंग भरो प्रतियोगिता का नकद पुरस्कार 300/- रु. स्व. श्री नंदलालजी व्यास भोपाल की स्मृति में श्री सुभाषजी व्यास द्वारा प्रतिमाह प्रदान किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 5 वर्ष तक के बच्चे शामिल हो सकते हैं।

द्वितीय पुण्य स्मरण

स्व. श्री महेन्द्र नागर

स्वर्गवास ०१-१०-२००६

-: श्रदावनत :-

श्रीमती मनोरमा नागर (पत्नी)

सुनील - योगिता दवे, रतलाम

शैलेष- मोनिता जोशी राऊ, चिन्मय- विनीता पण्डया, अहमदाबाद

विकास- ममता शर्मा, राऊ (पुत्री- दामाद), कविता नागर (पुत्री) मनीष नागर (पुत्र) नागर परिवार नागदा (उज्जैन)

❐ संरक्षक
श्रीमती निर्मला कमलकिशोरजी नागर
सेमली-मालवा फोन 9329144644
श्रीमती शारदा विनोद मंडलोई
इन्दौर फोन- 0731-2556266
श्रीमती आशा ओमप्रकाशजी मेहता
भोपाल 07552552100
श्रीमती प्रभा शिवप्रसादजी शर्मा
इंदौर 07312450018
श्रीमती रमा सुरेंद्रजीमेहता 'सुमन'
उज्जैन 07342554455
श्रीमती अंजना सुरेंद्रजी मेहता
शाजापुर 07364229699

❐ प्रधान सम्पादक
सौ.संगीता दीपक शर्मा
❐ संपादक
सौ.रुचि उमेश झा
❐ सह सम्पादक
सौ.मीना प्रवीण त्रिवेदी
सौ.शीला जगदीश दशोरा
सौ.तृप्ति निलेष नागर
सौ.मंजू रविन्द्र व्यास
सौ.सोनिया विवेक मंडलोई
सौ.वन्दना विनीत नागर
सौ.निशा पं.अशोक भट्ट
सौ.बिन्दु प्रदीप मेहता
सौ.ज्योति राजेन्द्र नागर
सौ.ममता मुकुल मंडलोई
सौ.आशा योगेश शर्मा

प्राक्कथन...

ऐसा दीप जले कि सब प्रकाशित हो जाए...

वर्तमान समय में सार्थक जीवन जीना अत्यंत चुनौतिपूर्ण है। अपने परिवार का पालन पोषण, संतान की उपलब्धिमय सफलता, बेदाग कार्यकाल एवं साथ में समाज सेवा। ऐसा सफलतम जीवन जीने के लिए उच्चतम आदर्शों की आवश्यकता पड़ती है। साथ ही उज्जवल इतिहास तथा गौरवशाली परिदृश्य हमारा उत्साहवर्द्धन करता है। भगवान हनुमान को भी लंका पर विजय पाने के लिए शक्ति का अहसास कराना पड़ता है, उसी प्रकार जय हाटकेश वाणी नागरों का उज्जवल इतिहास दोहरा कर नई पीढ़ी को आकाशीय ऊचांई न केवल रोजगार के क्षेत्र में देना चाहती है बल्कि आदर्श जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। अच्छे विचारों से ही अच्छे जीवन का निर्माण होता है। साथ ही अपने पूर्वजों की स्मृति बनाए रखें तथा उनके आदर्श जीवन चरित को भी स्मरण करते रहें। हे भाग्यवान नागरजनों त्योहारों की इस बेला में जब पत्रिका आपके हाथों में होगी तब नवरात्रि उत्सव चल रहा होगा तथा बुराई के प्रतीक रावण दहन की तैयारी शुरु हो गई होगी। अंधेरे पर उजाले की जीत का पर्व भी दहलीज पर है। आदर्श जीवन के लिए हम अपने मन के अन्दर बैठे बुराई के प्रतीक रावण को मारे तथा दीप पर्व के साथ अच्छाई लिए हम स्वयं प्रकाशित हों। अपना जीवन सुखमय बनाने के साथ दूसरों के जीवन में भी प्रकाश फैलाएं तभी हमारा जीवन सार्थक होगा।

अंत में अपनी चर्चा अर्थात पत्रिका की चर्चा... इस बार **'वाणी'** के स्वरुप में परिवर्तन किया जा रहा है। आम शिकायतें आ रही थी कि पत्रिका केवल मालवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही है... जबकि हम देश भर के बल्कि विदेश में बैठे नागरजनों का भी प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। मेटर घिचपिच हो जाने से पता नहीं लगता कि कहां-कहां से रचनाएं आ रही है तथा प्रकाशित हो रही है। इसलिए पत्रिका को तीन खंडों में विभाजित कर दिया गया है। देश-प्रदेश-इन्दौर। इन्हीं तीन खंडों का विस्तार किया जाता रहेगा। इसी के साथ सामयिक रचनाएं एवं व्रत त्यौहार, मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य को समृद्ध करने का प्रयास जारी है। जय हाटकेश वाणी को वेबसाइट पर जारी किया जा रहा है। ताकि देश के कौने-कौने के साथ विदेशों में बसे नागरजन भी गतिविधियों से जुड़े रहे।

-संगीता शर्मा

नियमावली-

✣ मासिक जय हाटकेश वाणी में सदस्यों द्वारा भेजी गई रचनाएं-गतिविधियां ही प्रकाशित की जाती है।

✣ मौखिक सूचना या फोन पर प्राप्त सूचनाओं का प्रकाशन नहीं किया जाता । विधिवत लेटरपेड पर या नामपते के साथ प्राप्त रचनाओं का ही प्रकाशन किया जाता है।

✣ सदस्यता शुल्क 250 रु. तीन वर्षों के लिए है।

✣ यदि डाक विभाग की लापरवाही से पत्रिका आपको प्राप्त नहीं होती है। तो अन्य स्थानों पर शिकायत करने की अपेक्षा कार्यालय के फोन नं. (0731) 2450018 पर दोपहर 2.30 से 8.00 बजे तक सूचना देवें। आपको पत्रिका प्राप्त न होने की दशा में हम उसे पुनः भेजते हैं। इन्दौर शहर में यदि किसी सदस्य को पत्रिका प्राप्त न हो तो वह स्वयं या परिवार के कोई सदस्य यदि राजबाड़ा आते हैं, तो कार्यालय से पत्रिका प्राप्त कर सकते हैं।

✣ पत्रिका का प्रकाशन समाजसेवा के तहत है। अतः पत्रिका आप तक भिजवाने की जितनी जिम्मेदारी हमारी है उतनी ही प्राप्त करने की आपकी जिम्मेदारी भी है। समाज को जागरुक बनाने के इस यज्ञ में सभी का योगदान आवश्यक है। अपने शहर एवं गांव में नागर समाज से संबंधित प्रत्येक गतिविधि का विवरण भेजें उसे अवश्य स्थान दिया जावेगा।

सदस्यता आवेदन पत्र

मैं.....
पूरा पता (पिनकोड सहित).....
.....
मासिक जय हाटकेश वाणी का तीन वर्ष हेतु सदस्य बनना चाहता हूँ। जिसके लिए निर्धारित शुल्क 250/-रु. नगद/चैक/ ड्राफ्ट द्वारा निम्नलिखित पते पर भेज रहा हूँ।

श्रीमान संपादक महोदय
मासिक जयहाटकेश वाणी
20, जूनी कसेरा बाखल (खजूरी बाजार) इन्दौर
फोन. 2450018 फैक्स-2459026 मो.9425063129
Email-manibhaisharma@gmail.com
jayhotkeshvani@gmail.com

अतिथि सम्पादक की कलम से

शिव परिवार का अनुसरण करें....

नागर ब्राह्मण जिन्हें सामान्यतः नागर संबोधित किया जाता है, देश की सर्वश्रेष्ठ जाति समूहों में से एक मानी गयी है। नागरों की उत्पत्ति के सम्बन्ध में कई विचार धाराएं है। एक कथा यह है कि भगवान शिव पार्वती के साथ शादी के मंडप में पहुंचे तो उनके शुभ लग्न को कराने हेतु योग्य पुरोहित नहीं थे। फलस्वरुप भगवान शिव ने चावल के छः दाने पृथ्वी पर बिखेर दिये, जिसके प्रताप से छः ब्राह्मणों का प्रादुर्भाव हुआ। चूंकि इनमें से कोई भी महिला ब्राह्मण नहीं थी अतः भगवान शिव ने छः ब्राह्मणों का विवाह छः नाग कन्याओं से करा दिया। एक अन्य मान्यता के अनुसार पार्वती ने भगवान शिव से निवेदन किया कि सभी ब्राह्मणगण ब्रम्हाजी के यज्ञ में व्यस्त है, इसलिए उनके यज्ञ के लिए, अलग ब्राह्मणों की व्यवस्था करें।

भगवान शिव ने नए ब्राह्मण पृथ्वी लोक पर भेज दिए। इनको यहां पर नागर (सर्प) जाति से उन्हें कष्ट हुआ। ब्राह्मणों द्वारा प्रार्थना करने पर भगवान शिव ने कहा कि वे ''ना'' नहीं ''गर'' (विष) का जाप करें जिसके परिणाम स्वरुप उन्हें विश का असर नहीं होगा। इस प्रकार यह ब्राह्मण समुदाय नागर कहलाये। इनकी छः श्रेणियां हुई। नागरों के बारे में ऐतिहासिक रुप से भी पुष्ट हो चुका है कि वे योग्यता, त्याग भावना, बुद्धिमानी, जुझारुपन एवं सांस्कृतिक मूल्यों में अपना उच्च कोटि का स्थान रखते हैं। इसी कारण उन्हें राजदरबारों में उच्च पदों पर नवाजा गया यह भी उल्लेखनीय है कि नागर महिलाओं की परिवार में सहभागिता, योगदान एवं प्रोत्साहन की प्रवृत्ति को इतिहासकारों तक ने सराहा है। नागर महिलाओं की सुंदरता का उल्लेख तो बार बार इतिहास में आता ही है, उनकी ललित कलाओं, नृत्य, गायन में भी निपुणता का बखान किया जाता रहा है।

भगवान शिव का परिवार ही ऐसा संयुक्त परिवार है जिसका हर सदस्य पूज्यनीय है। पुत्र गणेश- सर्वप्रथम पूजनीय, माता पार्वती-शक्ति रुप में पूजनीय, पुत्र कार्तिकेय देवताओं की सेना के सेनापति, और गणेश पत्नी रिद्धि-सिद्धी भी पूजनीय है। तथा शिव परिवार के हर सदस्य के वाहन भी एक दूसरे के विरोधी है तथा उनमें छत्तीस का आंकड़ा है। इसके बावजूद भी सभी में आपसी सहयोग व सामंजस्य इस संयुक्त परिवार की विशेषता है। हमें भी आज की परिस्थिति में भगवान हाटकेश्वर के संयुक्त परिवार से प्रेरणा लेकर उन्हीं के समान ही मिलजुल कर रहना चाहिए।

अतिथि सम्पादक का परिचय

नाम- बीना प्रदीप शर्मा

जन्म- वाराणसी के गुजराती परिवार में

शिक्षा- वाराणसी के केन्द्रीय विद्यालय से स्कूली शिक्षा बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी (B.H.U.) से B.Sc. एवं M.A. की शिक्षा प्राप्त की।

कार्यक्षेत्र-वाराणसी के शासकीय स्कूल में अध्यापिका के पद पर

दिल्ली में शिपिंग कम्पनी में अधिकारी के पद पर

दिल्ली से प्रकाशित अंग्रेजी अखबार नेशनल हेराल्ड में अधिकारी के पद पर

विगत 27 वर्षों से आकाशवाणी में कार्यरत- वाराणसी, जयपुर, कानपुर से होते हुए विगत पांच वर्षों से इन्दौर आकाशवाणी में कार्यक्रम अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

इन्दौर से प्रकाशित नागर ब्राह्मण समाज की इस अत्यन्त लोकप्रिय एवं ज्ञानवर्धक पत्रिका जयहाटकेश वाणी के माध्यम से आप सभी को सम्बोधित करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। मैं इस पत्रिका की नियमित पाठक हूं, इसके द्वारा हमें नागर समाज एवं हिन्दू धर्म से संबधित अत्यन्त महत्वपूर्ण जानकारियां हमेशा मिलती रहती है। मुझे भी अपने समाज, अपने इष्ट देव भगवान हाटकेश्वर एवं हिन्दू धर्म में अत्यन्त रुची रही है। जहां से भी इस संबंध में कोई रोचक जानकारी मुझे मिलती है मैं उसे अपने पास संकलित कर लेती हूं। नागर ब्राह्मणों की उत्पत्ति से सम्बधित ऐसी ही कुछ रोचक जानकारी में इस पत्रिका के माध्यम से आप तक पहुचाने को प्रयास कर रही हूं।

* युवतियां *

क्र. (294) कु. मयूरी स्व. डॉ. विजय नागर
जन्म दि. 4-9-1987, समय - प्रातः 8.30, राजगढ़
शैक्षणिक योग्यता- एम.काम.एम.बी.ए.
सम्पर्क- मेन मार्केट गणेश चौक, राजगढ़ (ब्यावरा)
मो. 98278-39-09, 07372-254753

क्र. (295) कु. रितु विनोद मेहता
जन्म दि. 15-7-1984, समय- रात्रि 3.20, नरसिंहगढ़
शैक्षणिक योग्यता- एम.काम.
सम्पर्क- रघुनाथजी का मंदिर नरसिंहगढ़, जिला राजगढ़
फोन 245323

क्र. (296) पल्लवी कैलाश पंडित
जन्म दि. 31-10-1983, समय- रात्रि 12.40, खण्डवा
शैक्षणिक योग्यतां- बी.एससी पोस्ट ग्रेज्युएट डि. कम्प्यूटर
व्यवसाय- प्रायवेट स्कूल में शिक्षिका
सम्पर्क- 77, सुभाष नगर एकता कालोनी खण्डवा,
फोन 0733-2248961

रश्मी श्री आधार नागर

जन्मतिथि- 14 अगस्त 1980
शिक्षा- बी.एस.सी. (बायो) डिप्लोमा इन नेच्युरोपैथी एवं योगा साईंस
सम्पर्क- 79-ए, कालीदास मैदान, अंडर द फोर्ट, बी.ई.ओ. ऑफिस के पास, महेश्वर जिला खरगोन
फोन 07283-273824, मो. 9301371343

नेहा प्रियदर्शन याज्ञिक

जन्मतिथि- 8.10.1987
शिक्षा- बी.एस.सी. माईक्रो बायोलॉजी
सम्पर्क- 139-बी, संतराम सिंधी कालोनी,
स्वर्ग अपार्टमेंट फ्लेट नं. 1, उज्जैन
फोन 0734-2521182

अंकिता विनायकराम नागर
जन्मतिथि- 23-5-1978
शिक्षा- एम.ए. अर्थशास्त्र- आय.टी.आय. डिप्लोमा कटिंग- टेलरिंग, ब्युटीशियन कोर्स अन्य।
सम्पर्क- 18/266, लाहोरियान स्ट्रीट पो. काशीपुर
जिला उधमसिंह नगर (उत्तराखंड) फोन 05947-273730

4) मेनका कुलेन्द्र नागर
जन्मतिथि- 13.09.1984
समय- प्रातः 4 बजे, माचलपुर
शिक्षा- एम.ए. हिन्दी (कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स)
'स्मृतिकुंज' तहसील रोड, अकलेम विला, झालावाड़ (राज.)
फोन (07431) 272506, मो. 094131-01699

* युवक *

बाल मुकुन्द नागर
(पैरों में आंशिक विकलांगता है, पैदल चलने एवं दो पहिया वाहन चलाने में पूर्ण सक्षम है।
जन्म तिथि- 3.07.1971 (प्रातः 11 बजे)
कार्यरत- शासकीय नौकरी (स्वास्थ्य विभाग)
सम्पर्क- योगेन्द्र मिश्रा
1051/10, नन्दानगर, इन्दौर मो. 9753337847

शिवरतन रामचन्द्र नागर
जन्मतिथि- 18.11.1966
शिक्षा- दसवीं
सम्पर्क- ग्राम गुलावट पो. कराडिया, तह. देपालपुर, जिला इन्दौर

3) 27 वर्षीय, एम.कॉम, एम.बी.ए. स्टेण्डर्ड चार्टर्ड म्युचुअल फंड में ब्रांच हेड के पद पर कार्यरत युवक हेतु सुशिक्षित, सुशील कन्या बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- श्री प्रमोद नागर- 3 बी/4, बैंक रोड, इलाहबाद फोन 2440315, मो. 9889553861

चेतन स्व. पूर्णानन्द नागर

जन्म तिथि- 1-02-1982, सुबह 3.30, खरगोन
शिक्षा- बी.ई. कम्प्यू. साईंस एंड इंजी.)
एम.ई. (S/W इंजीनियरिंग)
कार्यरत- लेक्चरर, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट बोरवन (खरगोन)
फोन 07282-233259, मो. 98265-65439

श्रेयांश डॉ. सोमेन्द्र मिश्र (मूक-बधिर)
जन्मतिथि 21 मार्च 1982
शिक्षा- हायर सैकेण्डरी
इंडीयन साईन लेंग्वेज कोर्स ए.बी.सी. (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हियरिंग हेण्डीकेप्ट, मुम्बई
सम्पर्क- 21 धनवन्तरी नगर राजेन्द्र नगर, इन्दौर
मो. 9425060632 फोन 0731-2321080

* शक्ति, साधना-आराधना की वेला है नवरात्रि पर्व *

आश्विन नवरात्रि शक्ति साधना आराधना का पर्व है। नवरात्रि की समयावधि आद्य शक्ति की स्नेहाभिव्यक्ति का एक विशिष्ट काल है। यही शक्ति विश्व के कण-कण में व्याप्त है। देवी भागवत में कहा गया है कि तेजोयस्य विराजते स बलवान स्थूले बुकः प्रत्ययः। अर्थात् शक्ति व तेज से प्रत्येक स्थूल पदार्थ में विद्यमान अतुलित बलशाली परमेश्वरी हमारी रक्षा और विकास करे। आज मनुष्य अपनी दुर्बुद्धि से छाया देने वाले वृक्ष को जड़ से काट रहा है। यही व्यवहार हम उस आद्य शक्ति जगन्माता के साथी भी कर रहे हैं। परिणाम में हमें उनके प्यार-दुलार के बदले उनका प्रलयंकारी विध्वंस देखने को मिल रहा है। **जब बेटे को बार-बार समझाने के बाद भी वह नहीं मानता तब माता को अपना रोद्र रुप दिखाने के लिए बाध्य होना पड़ता है।** आद्य शक्ति जगन्माता भी वर्तमान परिवेश में हमें बार-बार चेतावनी दे रही है कि अब आत्मसुधार एवं सत्कर्म के अतिरिक्त और कोई दूसरा मार्ग नहीं है। मनुष्य का कल्याण उस परम शक्ति की आशा एवं अपेक्षा के अनुरुप स्वयं को गढ़ने पर ही संभव है। मनुष्य पर दैवी और आसुरी दोनों ही चेतनाओं का प्रभाव है। वह जिस और उन्मुख होगा उसका वैसा ही स्वरुप बनता जायेगा। जड़ता एवं माया में जकड़ने से मनुष्य अधोगति का अधिकारी होता है और वह पाप, पतन और नरक में गिर जाता है। परन्तु यदि वह सदाचार का निर्वाह करे तो बंधन से अवश्य मुक्त हो जाता है और उसे पूर्णता का लक्ष्य प्राप्त करने में कोई कठिनाइयाँ नहीं होती। आवश्यकता अपना सही स्वरुप जानने भर का है। नवरात्रि इसके लिए प्रयास करने का सबसे उपयुक्त समय है। वेदों, उपनिषदों में शारदीय नवरात्रि की एक स्वर में महिमा गाई है। अलग-अलग उपासक अलग-अलग विधि एवं विधान से नवरात्रि पर अनुष्ठान करते हैं। दुर्गा उपासक दुर्गा सप्तशती का पाठ तथा गायत्री उपासक गायत्री महामंत्री के 24 हजार का लघु अनुष्ठान अवश्य करते हैं जप के लिए गायत्री महामंत्र से श्रेष्ठ और कुछ नहीं है। इसे गुरुमंत्र भी कहते हैं। यह मंत्र बाह्य परिस्थितियों को अनुकूल बनाने के साथ-साथ अन्तः चेतना के परिष्कार के लिए भी सर्वश्रेष्ठ है। वेदों में सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का सारा वैभव बीज रुप में इन थोड़े से अक्षरों (24) में विद्यमान है। साधना का परिणाम सिद्धि है। ये सिद्धियाँ भौतिक प्रतिभा और आत्मिक दिव्यता के रुप में जिन साधना आधारों के सहारे विकसित होती है, उनमें गायत्री महामंत्र के जाप को प्रथम स्थान दिया गया है। नवरात्रि के पावन पर्व पर देवता अनुदान वरदान देने के लिए स्वयं लालायित रहते हैं। ऐसे दुर्लभ समय का उपयोग हम जड़ता में अनुरक्त होकर न बिताएं, चेतना के करीब जाएं। ईश्वर चेतन है, इसीलिए उसका अंश जीव भी चैतन्य स्वरूप है, साथ ही उसमें वे सब विशेषताएँ विद्यमान हैं जो उसके मूल उद्गम परमात्मा में है। देवी अनुशासन के अनुरुप जो अपनी जीवनचर्या का निर्धारण करने में सक्षम होता है वही इस सत्य का साक्षात्कार कर पाता है। मानव जीवन गतिशील है। उसे सदैव आगे ही बढ़ना है। एक स्तर से चलकर दूसरे स्तर तक पहुंचना है। अपने चेतन होने का प्रमाण देना है। उसे इस महापुरुषार्थ को कर दिखाना होगा कि सुरदुर्लभ मानव जीवन तृष्णा एवं वासनाओं की वेदी पर चढ़ा देने के लिए नहीं है अपितु उच्च आदर्शों की पवित्र वेदिका पर उत्सर्ग कर देने के लिए है। संकल्पपूर्ण पुरुषार्थ एवं लगन से हम अपनी वर्तमान स्थिति से आगे बढ़कर श्रेय प्राप्त कर सकते हैं। नवरात्रि की वेला शक्ति साधना, आराधना की वेला है। महाशक्ति के विशेष अनुदानों से लाभान्वित होने की वेला है। अच्छा होगा कि हम अपनी साधना-तपस्या से अपने स्वयं के बाह्य एवं अंतर को साफ सुथरा कर लें अन्यथा महाशक्ति दुर्गा, काली, चामुण्डा गायत्री को यह कार्य बल पूर्वक करना पड़ेगा। सृष्टि की संचालिका महाशक्ति इस विश्व वसुंधरा के कल्याण के लिए कटिबद्ध है। आत्म सुधार कर हम भी उसके उद्देश्य में सहभागी बनें यही शक्ति आराधना के पर्व नवरात्रि का सन्देश है।

डॉ. रामरतन शर्मा
'सुमित्रा सदन', 63, रवीन्द्र नगर,
उज्जैन 456 006 (म.प्र.) दूरभाष 2516603

आनन्दमयी आश्रम में भक्ति आनन्द की वर्षा

इन्दौर। अ.भा. नागर परिषद शाखा इन्दौर एवं नागर महिला मंडल के तत्वावधान में श्री श्री मां आनंदमयी आश्रम में 30 सितम्बर 08 को मूर्ति स्थापना के साथ रंगारंग गरबों के साथ भक्तिरस की वर्षा शुरु हुई। 2 अक्टूबर 08 को यहीं पर रांगोली, मेहंदी, निबंध एवं भजन प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्थानीय समाजबंधुओं ने गरबा महोत्सव एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर हिसा लिया। नवरात्रि उत्सव से सम्बंधित आयोजन का संयोजन श्री आशीष त्रिवेदी कर रहें हैं। गरबा समारोह एवं प्रतियोगिताओं का आँखों देखा हाल श्री ब्रजेन्द्र नागर की कलम से आगामी अंक नवम्बर 08 में पढ़ना न भूलें।

प्रतिभा सम्मान समारोह दिनांक 12 अक्टूबर 08 रविवार को सायं श्री श्री मां आनन्दमयी आश्रम में।

दुष्यंत व्यास योगीजी सहारा वन पर, पं. विजय नागर सहारा मप्र. पर

इन्दौर। उज्जैन निवासी पं. दुष्यंत व्यास योगीजी सहारा वन पर प्रसारित रात 10.30 से 11.30 बजे तक धारावाहिक ''माता की चौकी'' में माँ की आराधना, अनुष्ठान से सम्बंधित विषय पर दस दिवसीय कार्यक्रम में प्रमुखता से हिस्सा ले रहे हैं, जबकि दिनांक 30 सितम्बर को सहारा मप्र में एनिमेशन फिल्मों से सम्बंधित परिचर्चा में ज्योतिष पं. विजय नागर ने धार्मिक पात्रों पर बन रही फिल्मों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। दोनों को बधाई।

श्री जयदेव शर्मा को पदोन्नति

इन्दौर। श्री जयदेव शर्मा सहायक आयुक्त वाणिज्यकर विभाग ने देवास से पदोन्नत होकर उपायुक्त वाणिज्यकर मुख्यालय इन्दौर में पदस्थ होकर पदभार ग्रहण कर लिया है। समस्त नागर समाज की ओर से आपको बधाई।

चलो गुजरात

इन्दौर। इको टूर एवं मासिक जय हाटकेश वाणी ने गुजरात यात्रा का आयोजन किया है। दीपावली के पश्चात इन्दौर से अहमदाबाद, अम्बाजी, वड़नगर, सोमनाथ, द्वारका आदि स्थानों की यात्रा एक सप्ताह समयावधि तथा आना-जाना, खाना, ठहरना, भ्रमण का शुल्क 4500 रु. तय किया गया है। इन्दौर से अहमदाबाद तक ट्रेन से तथा अहमदाबाद से आगे की यात्रा बस द्वारा सम्पन्न की जावेगी। इच्छुक तीर्थ यात्री विस्तृत जानकारी के लिए कृपया नवीन नागर से (मोबा.) 98931-63021 पर चर्चा कर अपनी सीटें बुक करवा लेवें।

कु. प्राची मंडलोई कनाडा यात्रा पर

इन्दौर। विद्यार्थी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत कु. प्राची अमिताभ मंडलोई कक्षा ग्यारहवी द डेली कॉलेज इन्दौर के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इन्दौर से मुंबई, ज्युरिख, होते हुए कनाडा के विक्टोरिया नगर के लिए दिनांक 26 सितम्बर को प्रस्थित हुई। 50 देशों के स्कूलों के संगठन 'राउण्ड स्क्वेअर' की वार्षिक (5 दिवसीय) मिटिंग टोरेन्टो में होगी। वहां विद्यार्थी अपने सहपाठी के घर पर रहेंगे। इस वार्षिक मिटिंग का थीम है ''भावी पीढ़ियों के हिसाब से भविष्य की प्रगति, तरक्की एवं पर्यावरण का ध्यान रखना।'' 11 अक्टूबर को प्रतिनिधि मंडल की वापसी होगी।

श्रद्धांजलि श्रीमति कमलाबाई नागर (इन्दौर)

इन्दौर। पं. बसन्तीलाल नागर (दिलोद्रीवाले) की धर्मपत्नी श्रीमती कमलाबाई नागर का स्वर्गवास दिनांक 18-09-08 को हो गया। त्रयोदशाकर्म एवं श्रावणी 30 सितम्बर 08 को महामालव ओदिच्य धर्मशाला क्षीरसागर नई सड़क उज्जैन पर किया गया । पं. मणिशंकर नागर पं. बाबूलाल (पटवारी) चि. रामप्रसाद, राधेश्याम, रामचन्द्र, मोहन, गोपाल, पं. कृष्णकांत ने शोकाकुल परिवार का ढांढस बंधवाने वाले समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया है। **-प्रस्तुति योगेश शर्मा- मो. 9425072237**

श्रीमती कमलाबाई नागर (भौंरासा)

भौरांसा। श्री पुरुषोत्तम रावल (पालिया) वाले की भाभीजी, पं. राधेश्याम नानागुरु (भौंरासा वाले) की बड़ी सास, अनिल कुमार की मासीजी श्रीमती कमला बाई नागर का देहावसान दिनांक 24-9-08 को हो गया। समाज बंधुओं एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

नवरात्री की शुभकामनाओं के साथ
हम शॉपिंग के लिये आमंत्रित करते है
इन्दौर एवं प्रदेशवासियों को
हेलो बेबी शॉप फेमेली क्लब
नवजात शिशु से नये-नये मम्मी-पापा तक
विशेषः गर्भवती महिलाओं के लिए गारमेंट और अंडरगारमेंट

न्यूबॉर्न शॉपीः बेसमेंट
बेबी वियर्स, बेबी राइड्स, स्वींग्स् (झुले), बेबी कॉट्स, स्ट्रालर्स, प्रॅम्स, वॉकर्स, फिडर्स, विप्पल्स, टिथर्स, रेटल्स, सुदर्स, ट्रेनिंग कप्स, बेबी कॉस्मेटिक्स, डायपर्स, रिकॉर्ड बुक्स आदि

किड्स शॉपीः ग्राउंड फ्लोर
गारमेंट, अंडर गारमेंट, नाइटवियर, फुटवियर, टॉयज, साफ्ट टॉयज, डॉल्स, गेम्स, बुक्स, सीडीज एवं डीवीडीज आदि

टीनएजर्स शॉपी : 1st फ्लोर
गारमेंट, अंडर गारमेंट, नाइटवियर, फुटवियर, बेग्स एंड पर्सेस आदि

मेन्स एंड वुमेन्स शॉपी : 2nd फ्लोर
गारमेंट, अंडर गारमेंट, नाइटवियर, फुटवियर, कॉस्मेटिक्स, इमिटेशन ज्वेलरी, बेग्स एंड पर्सेस, बेड शीट्स एवं कवर्स, टॉवेल्स आदि

रेस्टारेन्ट : 3rd फ्लोर
शीघ्र ही प्रारंभ

स्थान- हेलोबेबी हाउस, कोठारी मार्केट चौराहा, एम.जी. रोड़, इन्दौर फोन 2531107